শ্বন্দ্রম্পরি স্থান্তুন্



यद्रद्रायाया क्षेत्रायायुग्रामुनाया



न्गार क्या

बेदुः ५५:बेँ।
येदुःगहेशःम्।
ঐত্ত'শৃধ্যম'শ্।
बेदु'नबे'म्।
बेदुःबूःम्। 23
बेदुः जुगाः म
बेदुःनतुन्ग
ঐত্ত'বক্স্ব'মা36
बेदुः द्रशुः या
মন্ত্রসভ্তমা
মন্ত্র'নৃত্ত্বান্ত্রামা
মিন্ত্ৰ'নান্ট্ৰশ'না
মন্ত্র'নাস্কুম'না
ব্দম্ন্ত্র্ ক্র্রিক্ ক্রিল

यु मिंद्रभा अन्य अन्य अर्थे द्वा स्वर्थे अर्थे न्वर्य स्वर्थे स्वर्

शेर-श्रून-न्यर-प्रह्य-न्जुन्य-नर्शन्य्याण्येया

न्ययाम्बर्गरायन्त्रायाः वेषा ग्रामदे कुन्ग्री कुषार्थे केत्र्या

००॥ कु.चारःश्वर्दा श्रीःचां क्रांचां त्यां विवायः विवायः

से दु: ५५: सें।

न्हें न्रिक्ष से त्या स्वत्त्र स्वत्त्र स्वत्त्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स

न्यवःशेश्रश्नात्वक्षेत्रः स्कृत्यः नः हिः न्ता वृत्तः स्वार्थे स्थान्यवः शेसराद्यवः केत्र में साई हे द्रा ग्रुट कुत्र सेसराद्यवः सेसराद्यवः केवारीं कु हैं हे प्रा ग्रुप कुप सेसस प्राय सेसस प्राय केवारीं से हैं है ५८। ब्रा ब्रा क्रिया के सका ५४० के सका ५४० के दारी क्रा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया शेसराद्मवासेसराद्मवाळेत्राचे त्रास्मवादाई हे द्रा ग्रुट कुन सेसरा न्यवःशेस्रशन्यवः केतः सँग्वा व्याशः हैं हे न्दा वृदः कुनः शेस्रशन्यवः शेसरान्यवः केत्रः में में हें हे न्ता ग्रुटः कुतः शेसरान्यवः शेसरान्यवः केव में दे हे दिन्। बुद कुव सेस्य द्यव सेस्य द्यव केव में में हे हे ५८। ब्रह्म खेम असम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद् <u>ढ़ॖ</u>ॖॖॻॱऄ॓ॺॺॱॸॖय़य़ॱऄॺॺॱॸॖय़य़ॱऴ॓ढ़ॱय़ॕॱक़ॕॺॱॻॖऀॱॸॖॼॖऀॸॺॱॻॖऀॱॸॕॱॸॕॎऀॸॖॱॸॕॖॱॾॖ॓ॱ ५८। दे.र्या.त.र्श्रेयाश्चरत्रेयाश्चरत्रेय्यः श्वेत्रश्चरत्रेय्यः श्वेत्रश्चरत्रेयः नर्हेर्ग्रिअसे त्यर नदे प्यर नर्हेर्ग्रिअसे त्यर नदे अरय कु अग्री विर न्दासहस्राचायावने सुन्हे। ने निवेदाया ने या सार्ने हे से निर्मे न प्राप्त ने प्र नवितःमानेगार्थाः हैं हे इस्राधरः सूरासह दारा दे नवितःमानेगार्थाः र्हें हे देव के व द्राया द्रा दे विव व विव या ने या वा व हैं हे कि द द्राया हु से द यन्ता ने निविवाया ने नाया से हे मिर्देव से जान निवाय सुमाया मान्यास्त्रित्रित्यात्रस्य राज्यात्रस्य स्त्रित्ते । प्रतितानियायाः

यहंद्र क्रेवर्स्। देरविवरम्नेम्यराध्यययः उद्गीरदेद्र क्रम्यर क्रेवर निव्यानियाश्वरायमें प्राप्त निव्या प्रमाण्यस्य स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वरत स्वरत स्वर्त स्वर्त स्वरत स यहर्नि। ने न्या ने निष्या ने निष्या ने निष्या ने निष्या निष्या निष्या थ्व विषय मिन्य मिन्य विषय मिन्य म ग्री'नन्ग'र्से'प्रेंन्स'सु'सहेस'नर्नुनिर्धेन्। हेन्'ग्री'सु'तुन्'सेन्'ग्री' ग्राञ्चाराशुःस्रोद्धार्यस्य प्रत्या पर्वेद्याय्वराद्धार्यस्य स्राप्यस्य केत्रस्विः भुःषयायदितः परातुरः परातुरः ते । देःषः वःषः वे यदयः कुयः शुन्भुन्। यायाने सूसामी सून् वा यायाने में यानाम से सून् वा याया र्रे.स्.स्.यी वाजारी हेते र्रे.स्.स्.सी वाजारी र्रेस्स्.स्.सी वाजारी. रेगामी देशें भुत्र देरायर द्यायर यात्र रायर कुर है।

दे'त्रश्र'दे'चित्रवाश्रीन्यश्रीं चित्रश्रीं दे'चित्रवाश्रीं म्याः व्याश्रीं क्षेत्रचे क्षेत्रचे क्षेत्रचा क्षेत्रच क्षेत्रचा क्षेत्रचा क्षेत्रचा क्षेत्रचा क्षेत्रचा क्षेत्रचा क्षेत्रच क्षेत्रच

न्यःक्षेत्राःकेत्रःसदिःन्ग्रीयःवर्षिमः स्वाःभेन्याः त्याः निमः हीत्रः ग्रीयः नक्ष्ययः मदी न्यायानि भेर्ति हैन्। अर्केन्या अन्यान्य स्थानि सरसः मुसः श्वेतः मुसः गुतः हिन।। दें र वे र तर्शे न सर रें प्रियास। म्रायानायाः भ्रायायान्यायाः स्वाप्ता ने प्रायान्यायाः मुन्ति । न्याश्रम्प्रम्य श्रम्भः हेत्रे यन्या संदे वित्राया नेया स्थाय उर्-ग्री-न्ग्रीय-पर्विस-क्रेब-स्वि-न्नुय-सु-नव्या-यस-ग्रुस-मि॥ ने-वया-ने निविव गाने गाया से निर्मुत्य मिन ने निविव गाने गाया से व के व न्ययान्या ने निविद्याने वाषाया छे न्यवा हु से न्यान्या ने निविद्य मिलेग्रास्यमित्रसे अन्यस्युन्यस्य दे नित्रित्रमिलेग्रास्यस्य यरःश्रूरःसद्दःहस्या देःचिव्यानेवार्यःयः ग्रूरः कुवःग्रेः सेस्यः हेरहेरेः त्रुग्रायः विष्य्रार्थे। देव्यायर्डे याथ्यायन्यादे यविष्याने प्रायास्त्र क्रुवाग्री सेस्र हिंहि। दे विविदानिवासाया वस्र साम्य सामिता वीदाया

दे 'द्रया' वस्र अ' उद्दे हे 'से स्र अ' द्र पदे 'चे द्र ची 'च क्र च स्य ची आ दे 'च बिद' वयानर्रेयाध्वावन्याने नविवानिनायाया ग्रहासुन ग्री सेस्या हैं है। दे नविव निवाय प्राथयय उर् ग्री सुन् र नियु र र मुन्य सि है र स किया वजुरानार्हे हे लेशा जुनने ने राहे दिन ता क्षेत्र स्था सम्बन्ध स्था यः केत्र सेविः भ्रे अः त्वे या श्वाशायदी दे । यवित्र या ने या श्वाशाय श्वाशाय है । য়ৢ৾৽ৼৄঀ৵৻য়ৢ৾৽ঀৢ৾৾৾ঀৢ৴য়ৣৢ৾৾ঀ৵৻য়ৢ৾৾৵৻ঀৢ৾৾য়ৢ৵৻ঀয়ৣঀ৵৻য়৾৻৻ য়ৢ৾ঀ৻য়ৣ৾ঌ৻ नक्षनश्यायात्। नर्देश्यय्वायन्श्वाद्याः कुनः ग्रीः शेश्रशः हें हे ने निवेदः मिलेम्बरामाने केटालयाम्बर्यामान्यू स्ट्राम्स्य मिलेम्बरामाने म्यास्य स्ट्रास्य स्ट्रास ग्रीश्वाचीयाश्वाचराम्याच्याः ने त्रश्वाचे प्रविवायाने यात्राच स्त्रीत्या यार्श्केष्यश्रामा वर्डेसाध्यापद्यास्यास्यास्यास्यास्यास्या

अं अर्दे अर्थ कुष्य अर्थ वर्ष के दे हैं वर्ष के दे हैं वर्ष अर्थ के र्यं के दे हैं वर्ष वर्ष के वर्ष के दे हैं वर्ष वर्ष के वर्ष के दे वर्ष के दे वर्ष के दे वर्ष के वर्ष के

द्यगायक्यावर्षायदी स्नान्त के राजार्थिय हिं। यन् राजार्था वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा ना ने निविव मिलेग्राम गाव श्री मार्या हैं है श्री में वर्ष मार्थी। ने हेन नर्डे अ खूद न १८ ५ जार्रे या। ने द्राया ने स्वर् नर्डे अ खूद पद रा ने निवर ग्नेग्रयान्त्रम् कुन्याः अध्ययः हेरहेश देरविद्यानेग्रयाः वस्रयान्त यादि। अत्रिक्षानगादा सुत्याहै॥ नर्डे साध्याद्यात्र साने नवियाचा ने वासाया वस्रमान्यन्य स्थान्य स्था द्वा ग्रामान्य स्थान्य स्थान वस्रक्षाक्ष्या स्थान स्य ग्वितः इस्रशः भुः के र्स्रुशा दे व्यान्य विस्तान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य मा नर्डे अप्यून ने निवेद ना ने ना राज्य अराउन ग्री निवारी वा विने भून डेश'ग्रेस्य'र्हे॥ ग्रान्यर्डेस'य्यन्य'यर्न'य्ये' स्थु'त्रेते'र्धेन'त्रन'हिन्यर' उत्रनु शुर्मा प्याने निवास माने वास मान सम्मा उत्र शि वित्र नि नविव गानेगायायायायाय र ग्री सु न र गास्र र न र सु गाया ग्री गाया र न क्रूॅब्रयम् से क्रूॅंयम् वर्षेय्यक्ष्यप्रम्य विवयम् वेष्ययायम् यः त्रेत्रः श्री अः नक्ष्म् नशः संस्ट्रि । देः निष्ठ्रं मिष्रे मिष्रा संस्था स्ट्रि । र्हे हे न्या के वा विद्युद्र निवेश के वा वी या ने निविश्वा की वाया या स्थाय उद् रही : उर्ग्ये प्रेशन्त्र वर्षे अर्द्व प्रम्भे अर्थि त्र्य अर्यु वर्ष वर्षे वर्ष

त्रा हिन्छ स्वर्गन्त्र न्या स्वर्गन्त्र न्या स्वर्गन्त स्वर्णन्त स्वर्गन्त स्वर्णन्त स्वर्गन्त स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्गन्त स्वर्गन्त स्वर्गन्त स्वर्गन्त

देवस्यत्ते द्वारायवा ह्या वर्षे स्वयं स्वर्यं स्वरं विद्या स्वर्यं स्वरं स्वर

देवसायदे सुरासायमानु वर्डसाथ्य प्यत्सादे सुरायस्य प्राप्त स्याप्त स्थाप्त स्य स्थाप्त स्थाप्त

ने न्यादि सुर या वर्गा हु। वर्षे या थ्वादिया वर्ग विवास राम्बस्थारुन् ग्रीम्भुन्नाम्बर्दान्दाम्बर्ग्याग्रीम्यो स्वर्भेभान्। ग्रुनाया वनार्से निर्मा स्वित्रं वात्रा दे निवित्र निवित्र मिले निवास सम्बन्ध स्वत्र स्वी स्व न्दाम्युद्द्द्द्वम्यास्रित्रे हेते ग्रुद्द स्त्रिम्यास्य तत्वम्य स्त्री। वे स्ट्रियास्य स्त्री ख्यायर्देन्रक्यायर्द्या धेन्यविवर्देन्त्रः न्याक्ष्यास्था देवायः ध्रमः यदःनर्डे अः वृत्रः वद्र अः देः चित्रं वा ने वा अः यः वस्र अः उदः ग्रीः हैं हे वहें वा हेशसु'सहेश'मर'तेर'पदे'दस'कैंग'हेश'तु'नदे'हेर'रे वहेंद'य'र्स्नेसश नम्बिन्यायात्रया हैं है वहें वा व्ययमा उन् ग्री न इव से वि सकें ना वि वि किन ग्रे:भु: न्दः नाशुदः न्दः श्रुवायः हैं हे व्ययः श्रुदः हैं ।। ने १२ र है।

वस्र अत्तर्भः स्त्री स्थार वा स्त्र वा क्ष्य क्

ने त्र श्यादि सुद्र अध्याति वर्षे अध्याद्य स्वादि स्वादि स्वाद स्

देवश्यदेख्रियः अवगात् वर्षे अध्याय्य स्वाप्त वर्षे व्याप्त स्वाप्त स्

ने त्रश्रायने सुरायाश्चा निर्मा श्वा वित्राचित्र निर्मा श्वा वित्र निर्मा वित्र नि

देवशत्रदेश्वर्यात्रवा ने निवेद्याने वाक्षण्य व्यक्षण्य ने निवेद्याने वाक्षण्य व्यक्षण्य ने निवेद्याने वाक्षण्य व्यक्षण्य ने निवेद्याने वाक्षण्य ने निवेद्याने विवेद्याने विवेद्याने वाक्षण्य ने निवेद्याने विवेद्याने विवेद्याने वाक्षण्य ने निवेद्याने विवेद्याने विवेद्याने

ने न्यायने सुरायाया हुन्ये स्थाया हुन्ये स्थाया हुन्ये स्थाया हुन्ये स्थाय हुन्ये

ने न्यायने सुद्रास्त्रवा नि वर्डे साध्य प्रद्रा ने चुक् चेन्।

या व्याय के प्रत्रे सुद्रास्त्रवा नि वर्डे साध्य प्रत्र के प्रत्रे के प्रत्रे स्वाय के प्रत्र के प्रत्

तेत्रभावते सुदासम्मानु वर्षे आस्तर्भात्र स्वेत्र मिन्न्य स्वित्र मिन्न्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्

येतुःगहैराःम।

वयायावदक्षेत्रस्त्रस्त्रम् क्रिन्न्यस्त्रम् क्रिन्न्यस्त्रम् स्त्रम् क्रिन्न्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्न्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्य क्रिन्यस्

ले. अ. में . में चें . में चें . में में . में

यन्याने निविद्याने वायाया स्याधरा सूरा सह नाने निवायाया वस्र राज्य सिंदा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा से स र्श्वेस्थराम् त्वायराते। ज्ञान्क्वार्शी सेस्थरादी पाश्यस्थर्थे। द्रस्थार्थे वस्थाकर्त्रात्राच्याच्या स्टार्स्यावस्थान्त्रः क्षेत्रुः सकेन्त्रा वार्स्यः न्दःवहेत्रःमः इस्राश्चर्याम् हेर्यः नन्त्रा सेन्द्राः सहस्रित्रः स्था रदः सेसरामित्रस्यासुरिया। हित्रामेत्रियास्य विका नर्डे अप्युत्रप्र यद्याने निविष्ण या सम्भाग्य स्थूर सह द्रा ग्री या या सुर या र्शे। देवशन्वस्थन्दराद्वरादिशन्वेवस्यानेवाश्वराद्धः हे से नर्भेद्वरादिश नविव ग्निनेग्रास मस्या उत् ग्री से नवत् प्रेरे हें वे या ग्रामि दे हैं । वहेंत्रायार्श्वेष्ठ्रायारात्वायाते। जुराकुराजी सेस्रायदी ग्रासुर्यार्थे।

न्द्रभःशं ति द्वस्यस्य स्त्री क्ष्यः विष्यः विषयः विष

त्रवासे दर्श्वराधि स्थानि व्याप्त त्र क्षेत्र व्याप्त त्र क्षेत्र व्याप्त व्य

अञ्चेश्वराधिः क्ष्यः स्थान्तः विवायः विवायः

केंशः इसस्य स्टान् वितार्थन वितार्यम वितार्थन वितार्थन वितार्यम वितार्थन वितार्यम वितार्यम वितार्थन वितार्यम व

 $\tilde{\gamma}_{\parallel}$

विश्वत्यानिवायात्वया चिट्टक्यायाय्याः क्षेत्राचित्याय्याः विष्ट्रक्ष्याय्याः विष्ट्रक्ष्याः विष्ट्रक्ष्यः विष्ट्रक्षयः विष्ट्ययः विष्ट्रक्षयः विष्ट्यविष्ट्यः विष्ट्ययः विष्ट्ययः विष्ट्य

येतुःमाशुक्षःमा

वश्रान्द्रस्थान्द्रस्य

क्षॅ. पृत्र दृःह्व तान द्रा श्रु श्रु ना अर्थ श्रु श्री विश्व स्वापित प्रीत्रा श्री । शरशः मुशः न्ग्रेयः विष्रः श्रें सः पंत्रे॥ विनः वेरः यर्यामुयायनरानवे दें न्द्रास्त्रम्। दें नु नेरा श्चेत्रची नर्गे द्रायः है। गुव वय धें द्या शु ह्यूय में है। वर्ने न प्रवे धें व श्रुः ध्रुषः गुत्रः हुन्। हर्नाष्ट्री अहिन्। अर्केन्याम् स्थानाष्ट्रस्य निक्रम् स्थिता नर्स्रेयमान्यास्या नार्चनामान्यास्य स्थापरास्य यह्र सिया के. कु। से. यश्र स्थित श्राचित्र स्थित वे में हे थे।। ध्राम् केव में नर्से सम्मा केवारा गिर्र मान्य है राणिया। नसूयादरागठेगारु श्रुरानाणिया। भ्रीतश्रुरायाणी मुखर्किगा न्ना नर्गेव अर्केना न्यया शे क्राकेव न्ना के न्यया सेन प्रवे केन होना ८८।। व्यायासेटाचीयासपुरम्भिक्ष्याम्या सरमामित्रात्रीयातपूर्यः नर्झेयासम्ना भूगश्रम् श्रुपाश्रम् श्रुपाश्रम् हे हे उत्या अङ्गेत्रे याते।पर्मेणायम्। र्याययराश्चित्रात्राहें हे पश्चर्या। इयायरात्रित्रायायायहित्रायायहित्राया नक्षा नेवान्दान्त्रान्देर्दिनव्दान्। विस्कृषायार्वेन्यवास्त्रीयानस्व या। रवःववरः ध्वावः वर्षेरः वे वर्ष्वस्या। श्वः स्वावः सुवः श्रीयः सहे सः धर वक्का ह्यु कु र्वेदे वासे र वेद वड़ा सदस कु स ख्रेव की स गुव हु

म् अप्तियात्र्यः वर्ष्ट्रा क्षेत्रः वर्ष्ट्रा क्षेत्रः वर्ष्ट्रा क्षेत्रः वर्ष्ट्रः वर्ष्ट्रा क्षेत्रः वर्ष्ट्रः वर्षः वर्ष्ट्रः वर्षः वर्षः

क्ष्रच्या व्यायावद्द्वीर्याक्ष्या स्वरावद्द्वीर्याक्ष्या स्वरावद्द्वीय व्यायावद्द्वीय स्वरावद्द्वीय स्वरावद्वीय स्वरावद्व

यो स्वार्य स्

येदुःचिवःमा

रान्निर्दुः वार्शिया। अर्ळवः इस्रशः वस्रशः उदः पदः द्वाः हैवाशा। अर्ळवः भेत्रवस्रम् उत्पाद्यत्या शुर्मा गुत्र हु न वह र में भू भे सर्केष द्येय नेशः श्रुद्धित्र स्वार्श्विद्दा गुवः तुः नवदः से ग्राश्चदः मी सर्वेष द्यीयः वर्षेत्र: न्यायान वित्रः न्यार्थिया। येयया उत्रः गुत्रः श्री यया केत्रः ये॥ रम्यविवाद्याः विम्द्रीः सासेन्। गुवाय बम्य स्वायाः सर्वे वापायाः स्वायाः न्ग्रीय परिन्द्रम्य प्राप्त भन्द्रम्य विष्या ने विष्य हिन्दि । वहिना हेत्र नाशुस्र सामस्य माशुस्र सा। वहिना हेत् नाशुस्र सर्केना हैं हे याउँ। वहियाहेव याश्रुस सर्केया स्रेंद्र स सें। दे प्रविद या नेया स रा गुद वर्षिरःस्वःवर्ःवा। द्यीवःवर्षिरःस्वःहुःहुस्रश्राद्यावःवन्ता। देःवर्शः त्रुग्रायाची प्राप्तायाची त्रुग्रायाची क्षुप्तायाची क्षेप्तायाची क्षुप्तायाची क्षुप गश्रुर:५र:ब्रुग्रथ:इस्रथ:ग्री। ५ग्रेथ:वर्षिर:४२:५:५०५:४२:ग्री। सुर्थः द्या से समा दे न ह्ये सामा प्रेमा विमा स्वाप्त ह्या से मा निमा से मा से समा से समा से मा से समा समा से सम से समा से सम से सम से समा से समा से समा से समा से समा से समा से सम से सम से सम सम से सम ग्री-न्ग्रीय पर्वेर-न्याय हे।। वि.वे. न द्वः महिशाळन् न्या रेशानवे न्या वें दी। रन हु बुरायें वे नर हु। दे द्रश्यश्य ग्री कें पादी। अर्वेट नश

यगाकु नर्गेन पर ग्रा नेवेन तुर्य में हे ने न ने अह ने विवासिय वड्या वनरान के तर्थे हे खाया वहिनायायार मन वहिनाया हो हा वर्षिर वें के तर्भे वर धें वाश श्वा दें हे वनर नश द्रश पर न कुता देत केव में वुन मुँग्या श्वा मङ्गान प्राप्त मिन्द्रा स्यामी केव में मुर द्विग्रयास्या दिन् वेरः सरः रिस्य र नः प्रतिष्यास्या न्त्रस्य क्षेत्रः नरः यहः यदःद्री। श्रुवःवेःवरःग्रेःग्रः श्री। स्रायःग्रेःधेःरेग्रायःवर्गः द्री हैं इ.८.यध्याक्ष्यक्ष्यम् स्था नद्भाषान्त्रे क्ष्रायन्त्रम् यक्षा व्यास्याय ग्रेनराग्री अञ्चलासहेसामाग्रहार्मियासास्या सम्मानास्य निर्मात्र वै॥ र्वे नियम् निर्माणया । विस्तिष्य स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स हे 'दनर हुँग्रम'देंद् 'नबर ना ने हेंद हूँ 'धे हुँग्रम हु 'वे। न हु 'दनर ' नर्दिन् बेन्या व्यामे स्वाया स्वया स्वाया स् इरनी सुँग्राश र्रे हें हो। व्याय ग्रे न्ग्रेय परिं र न्याय हो। धेरया शुःग्रयाययः नियः तुया सुयः दूरः द्याः सेसयः सर्हेदः दाः धेया। ववानवानु विराधकेन्य व्या वित्र सेन्य का स्वा विराधित व म्बर्यान इन्तुना वें त्राया दे। दे निरायो निराय होता वें त्राप्त हो। वें त्राप्त हो। वें त्राप्त हो। रवाराख्र्यायानीया नेराप्त्राच्याच्याचीयाचीयाच्याच्या देखियाद्वया शुःसहेशःसरः ह्या अटशः क्याः वि यदे ग्विसः ह्याः स्था। वसः स्वितः

खेदुःश्रःमा

स्यत्युम्।

स्वास्त्रीम्।

स्वस्त्रीम्।

स्वास्त्रीम्।

स्वास्त्रीम्।

स्वस्त्रीम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्यास्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्यम्वस्तिम्।

स्वस्तिम्।

स्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्वस्तिम्यम्यस्तिम्यस

देन्द्रभःश्चित्रः विद्या श्वेदः श्वे

यदे यात्र रायदे थिता।

ने त्रमाणदान हें दारी मासी त्यदान दे । यदान हें दासी त्यदान दे । यदान दे । मुश्रामी विद्या देर्नायार्श्केषायायदेर्न्याद्यार्थेर्स्नेद्रमी मुद्रास्थ्रेयाया न्ययः इस्रमः यहे ग्रमः भूगाव्यः नकुयः नरः शुरः निष्यः निष् न्ययःने न्या नक्कायान्य सुराया वीवायान्य या वर्षे या धून प्रम्याने प्रवितः ग्नेग्रंभार्यात्रस्य स्वरं के सुन्दाय्य स्वरं सुन्य स्वरं स् अन् छेराम्बर्गा नर्डे अथ्व वन्य ग्रुट कुन से सरा न्यव से सरा न्यवः क्रेत्रः संदे : न्या नक्ष्मः यमः या अव्या ने : त्र अः वर्षे अः स्वा : वर्षे । नविव निवास प्रमास सम्भार निवास क्षेत्र निवास के गिनेग्रामा वयास्रायदान्दासहस्रामाहिकासुरसेन्द्रिहे वेया गु नवे हिर्टे वहें त्या र्रे अपर त्वाया र्रे । र्रे अपर त्वाया राष्ट्र नर्डे अ'स्व'यन् अ'सु'न्र'ग्रुर'न्र'श्रुग्र'हें दे'न्रन्ग'रें दे'रेंन्'ग्रेअ' रेग्'रार्ड्याग्रीय। देव्याग्रद्ध्यायेययाद्यवायेययाद्यवाळेद्रार्देदे न्वास्तरम्बी स्रुव याव्यवस्य स्युर हैं। ने वस ने विवय विवय रावस्थाउन्देश्यक्र्यन् श्रीया सन्तिया सन्तिया न्योयायमा वया केंग्र.ची.र घरमायहे. सूर हेग्र वाशुर सेंग्र खे:बर्दे:र्केशःग्रे:र्देव:वशुद:ना केंशःर्देव:दग:य:यदग:बेद:या हैं: क्रीं द्रान्त्रक्र्यान्त्री त्रिक्ष्यात्र द्री क्रिंत्रम् । व्यास्त्राय्ये स्वास्त्र व्यास्त्र वित्र व्यास्त्र वित्र वि

वे दु:र्जाःश

देन्याने निव्याने नि

स्वायायदे वाश्यायदे वाश्य

स्व यन् अपे प्रेम्प्रेष्ठ्र विव प्राचित्र प्र

मृग्रायायान्त्रीग्रायाये स्याप्तराचे स्यापत्राचे स्याप्तराचे स्यापत्राचे स्याप वश्रा भेर्तेर्गवलेर्स्यमुर्ग्यभा र्रेशमुनस्यस्मि नश्चनःचरः ह्या सेस्रसःयः द्रिम्सःचः नद्रमःसेदःच। द्रमःदरः खुर्सः ग्रहः क्यायम् नर्स्स्या। वयायावयाविव न् प्रायाय यावया। र्स्स्य म्या गशुस्र नशुन् पर्म ह्या स्रम द्रा दिन्दे हैं द वे निश्चिम्यास्य से निष्या स्वाया ग्री सुया सुर से निर क्षेत्रायदर्भेत्रा भुग्रुर्ध्यायाः शुम्राव्यक्ति । यदे ने सर्देर् इस्यान् स्वान्या स्वान्या स्वान्या स्वान्या स्वान्य स्वान्ते स्वान न'नक्षियम्ना ने'क्षम्न्यथः स्व के हें हे पहें वा ने निविव मिलेग्रामः गुव ग्रीय यह वा अरय मुया गुव यह वा गुव यहिव ग्रीया। क्षेत्रा परे सर्केगानि नगाय सुरा है। वस समिते न हिम्स ही न स्थानिय मान्य समा है नितं निक्ति वित्तानिक वित् वया। इस्त्रिक्ष्मिर्यान्त्रावर्षित्रम्था। स्राधिरक्षेत्रस्याम्

ल्याविकान्त्रीं क्षेत्रक्ष्यां क्षेत्रक्ष्यां विकानिकान्त्री क्षेत्रक्ष्यां विकानिकान्त्री क्षेत्रक्ष्यां क्षे

हैं। वस्रायितः निर्देश ग्री निर्वाय मार्थ मार्थ निर्वाय मार्थ मार् नर्झिया। वयःयापदेः नृत्ते न्यः ग्रीः नृत्यः यावयः यम्। नेवः केवः नृग्रीयः वर्षरनर्श्वेयायरा ह्या अर्केषा में श्वेराना ववा हवा है श्वी श्वेरा है लूरमाश्चीमा। वयामायुर्विरमाग्नीर्यमायेमाना दूर्गीः न्ग्रेयायिम्निस्यक्षेत्रायम्ब्या सम्साम्बर्धयादेखेन देवा स्था हिन्यम्पन्याः हुर्गेष्ठियः अविद्याये अर्देयाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः यर:5॥ वर्षाम्भी:वर्षु:इर्षावव:वर्षमी श्री श्री:इर्धेर:इस्रायर:वर्षमा उ'त्र'ग'षी'वर्त्वु'र्डस'व्या वर्त्वास'नकुर्'याचे'सर'वरुमा स्रूपी'हे' र्सर्वर्वेशहे। नर्स्रेस्रश्चर्यस्त्राच्याविषानर्वेषान्तर्वेषा र्वे त्या र्रे वा या हिन् यम न्त्रा के साम ने माने माने माने या हिन या ह वस्र अन्तर्भेत्र प्रवास्य । अस्र प्राया स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य यदयाक्त्र विदायादयादयादयाद्या दे दे स्वर्धे प्रत्या श्रु गश्रुर:ब्रुग्नशःग्रेशःसळंद्र:यःषी। केंशःग्रे:केंग्।क्सशःर्य:हु:वर्हेन्। नेः

वर्षान्ययाथ्वार्ने हे पहेवा। ने हेन नेव गुव क्रिंवा में श्री में ना गुव अर्क्षेत्राखेत्राश्चरताःच॥ वाश्वरःचदेःद्रश्चरःचगदःश्चरःहि॥ वाञ्चवाशःदरः शुन्दः र्द्रमः ध्वा विषाम्य उवः शुः ह्या नर्श्वा ग्रायदः दे दे द सर्केन् केन् ग्रीमा येग्रम् सर्केन् न्यान क्षेत्र सम् ग्री न्रेर्भ ग्रीन वर्चर्यान्युःवर्देर्याधेया। वर्षासुःवान्वरःवाद्यः व्ययः व्यव्यान्यः व्यव्यव्यान्यः व्यव्यान्यः विष्यान्यः विष्यः व्यव्यान्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष न'र्रा। भ'केव'र्या'वे'र्य'यह्यार्थ'वा। शुंर्र्राच्यार्थर'श्यार्थर'य ल्या न्रें अ.चीच.वश्रश.वरीच.तर.परीयी धर.त्रुप्त.येट.ध्लु.स ने निव्यान हि भे वर्ष हो हो स्वापन स् वे अहेशनर वशुरा। वरे क्षुनु र्थे क्षुर र र धेशा। ह्यूर र अदशक्त्र वर्ते द्याद्यर द्रावयुर्या वर्ते हो अरशः क्रुशः वस्रशः उत् ग्री। यसरः वः ह्य क्षित्र द्या स्ट्री। यद द्या स्वाय ही यो यद द्या स्वय या से या य यशयद्वयम् दे निष्ठित्यानेग्रायः वस्र शंकितः ग्रीस्ट्रित्या त्रुवार्थाः ग्री:वार्थरः वार्थरः वर्षाः वर्षाः सु: दरः वार्थरः दरः श्रुवार्थः

वित्र श्री शः र्हेन स्वा त्या स्वा ॥ वितः यह स्वा ॥ वितः यह स्वा ॥

ने न्यानर्डे याष्ट्रवादन्याने प्रविवायायायायया वन् ग्री भू श्र्वार्था श्रे द्वार्थ अर्केवा अर्देव प्रमः ह्वार्थ प्रमः ग्रुमः कुनः प्रदेशे दुः दिः गश्रम्यार्थे। वर्नेन्यवे वे म्यार्थेन्य स्थार्थेन्य व्यार्थेन्य विष्ट्रम्य विष्ट्रम्य नक्षेत्रत्ते। येने क्षातुः धीः क्षेत्र नः धीय। यदयः क्ष्या सुरु नुः वितासरः वशुम्। वर्नेन् पवे वे मार्शेन् वस्य अन्ति। हे सूर वर्नेन् पर वर्षेन हुःह्रे। रटानी खुः धेः क्ट्रें रायाधेश। यदमा दटाम विदाया सर्केंद्रा सर ह्या नगदः ब्रुनः क्र्रें अप्याक्षेत्रः यथा नक्षेत्रः ग्राम्य व्याप्तः स्थाप्त ग्राम्य म्या वर्देन् प्रवेश्वेद्या श्रीत् वस्त्र वा वस्त्रेव वा स्त्र विद्या वा वस्त्रेव वा स्तर विद्या वा विद्या व वर्गुम्। र्सूरशःस्राज्ञःविरःस्राज्ञःस्री र्सूरायवरःनगवःवरःस्रीः हुर्दे। वर्देन्यगुरुष्यवेद्यार्श्वेन्डिन्॥ स्वार्याश्चेष्यवास्त्रस्यात्रस्या खुर्अन्दर्रात्वान्दर्शेस्रश्चस्यश्वी। यदेन्यर्गात्रश्चन्याद्वीन। यरयामुयामुराख्यायेययप्राप्ता यूनायामुर्नु रायळेनार्सु र

म्यया। क्रिंगः सक्रिंगः से मार्थे महेशः सः प्यदः। वर्दे दः सः मस्य सः उदः नश्रेव राम में। कनाम उव पो भी मार्ये दा में मार्य प्रा <u>ख्र. इसरा नर्षेत्रा चिर. क्वारोसरा राय प्रदेश सर च्या चिर. क्वारे स</u> क्रवाशास्त्र ह्या वाबुवाशाया इसावाशुस्र भेषा हुरा द्या सर्केट्र सर विद्रायमासकेंद्रायम्वा। देखेदावर्षमध्यास्य स्वर्षां मान्यास्य द्रयायराञ्चरायह्रपावी। श्रायाद्रयाग्रुयावेयाग्रुयावया। द्राद्रयया केवावर्युराम्वराम्डी। देग्याम्याम्युयानेयाग्रयम्या। यदयाम्या क्रियायायान्त्रयायम् न्या दे हिन्य वे साथ्य सुर्से वायाया। वर्ने न स्वाया क्रॅंश ग्री त्र गुर पार्व रापार्थे। रें त्य इस पार्श्य प्रेस से साम स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स यात्रीत्रायम् न्या देष्ट्रियास्या मुयासूर्ये व्यायाचा यह्या मुया व्यायासेटार्स्स् हे प्रदेशा देवात्या इसावासुस्र भेया ग्रुयाचीः रेग्रायायात्र्यायराज्या देछेत् वर्षेयाय्वरहें हे उद्या भेग्रेसूत्यायी द्धयानहेशम्ब्री गर्गामान्यस्य राज्यस्य मान्यान्यस्य विष्यान्यस्य विष्यस्य विष्यस्य विष्यस्य विष्यस्य विष्यस्य नरःग्रा वरेरे अद्यक्तियात्रयात्र्या नर्दा। ग्राच्यायाञ्चादे र्श्वेमयायायायायाया व्यक्ति र दे हे ना ह र व्यक्तिया। षर्वादेखार्स्स्रियायाद्ये। देवायाग्रीः खुवात् स्त्रायम् नर्स्स्रिय। यदयाक्त्र्या हे अ शु: इव : धर भें रा। के अ दे हे अ शु: इव : क्रें अ या। हैं हे हे अ शु: इव :

क्रिंयाचा। भुन्दरागश्रदादराश्रुवायाम्ययानक्षिया। देवायादे हेयाशु इव्ययम् र्श्वेम्। विर्मे हे या सुरव्यक्षियाय। व्यवे हे या सुरव्यम् र्श्वेम। नर्भेस्राम् नुद्रास्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत नवर मा वें म्रार्थ न इं द्वा वेंद्र माया होद हो अ न क्षत्र माया विद्रा मशुर्या शुर्या द्वेद पर सर्वेद पर रव हुन ह्या दे न विद मिले मार में द्वैर्प्तरक्षेर्प्तार्प्ता अक्ष्र्रास्त्र ग्राम्य प्रमान्त्रा दें प्रमान ख्याद्यनायाणी। पर्दे: हे: नर्से यायमात्या। यनमानर्या सुर्देनाने वेता नुनगर्। धेन्नुर्दिन्नन्रङ्ग्रियायरात्या यह्यात्त्रुयाहेयाद्वरङ्ग्रीराया र्द्धेग्या व्हरकुन व्हेन प्रयान द्वेस पर व्या

र्दे हे श्वेत क्रम श्वें नर हा। ने य रेगम हे म सुर तर् हे प्र र न से साले व। इयायादेखेरपानवम अरमामुगमानुम्यादेपरादेखा नःशुः इस्रयः ग्रीः नुः ना न्या। यापयः प्रयायः देनायः ग्रीः श्रेनः इस्रयः श्री। नेः यः हिं र्चे हे अरशु: इत्र पं हे स्ट्रें र नहीं अरले स्वा इंगा य दे से द मा नवग हिं र्वेदे:र्वर:र्वे:रव:र्रु:वर्ड्स्या। व:शुः इस्याःग्रे:तुःवावया। स्रावयःस्याहें: नदेः श्वेतः हस्य श्वेष्ट्रा देः यः दस्य केषाः हस्य शुः इतः यः हैः वहर न श्वेसः विः व नन्गामी हैं है मह्मर थ्वा। नन्द में महिशाने अने अहा श्वर है। रह मी हि नवे विवा न भी अर अ कु अ हैं है से अअ न न व सके न । ने पान की वा वर्षिमः हे अः शुः इतः पः हे ः धूमः वर्षे अः वे वा । प्रवार में वाहे अः वे ः अहअः वववाः है।। अप्रशास्त्रास्टानी मुखादर्हे स्थादर्हे स्थात्ते मुना हु नुहु ।। न्येयायिम्न्येयायिम्द्रियान्। नेयासुंहेशस्यान्या नर्झें अर्वे वा अर्थ क्रिश्गुन्यु क्षुं नार धेवा स्र में खेर धेय स्र म्य हु मुमा। यदयः मुमः भुः धेः रदः विव मुमा। वद्याः ग्रदः देः ददः ददः शुर्रित देखाम्बर्दिशस्य स्टिन्स्य स् मुश्रद्भाद्मा मुश्रद्भद्भे देश क्षेत्र सुत्र शुक्ष क्षेत्र सित्र । वद्मा मे क्षिय ग्राम्प्रे विक्रा के विकादित सम्मान्य विकास के व इवरमहिष्ट्ररावर्द्धेयावेषा वायरावदेषाद्यार्थे हें व्यवस्या गुवरहाव न र्यदे मुन्य राष्ट्र प्रमा है हे प्रहेत राष्ट्र तुर दे।। नद्यायी सेस्य ग्राट दे

वर्ष्या देवा श्रेयाया उत्रहे या शुः इत्राया है व्हरा वर्षे या वे वा श्रेयाया उवःगुवःश्रेः अस्यानः धेव।। अः नः मुर्गः नः श्रुवायः श्रेः सळव।। नेः वे.शरशःभिश्वश्वश्वश्वरः ग्री। शविदः दरः शब्देरशः धरः श्री दः श्री दः श्री ने त्यः स्वाराः वस्रारा उत् ग्रीः वा त्यारा न्दः सुर्गारा न्द्रारा स्वारा है या सुर इवरमःहिः क्षेत्रः नर्झे अः लेखा स्वायः ग्रेडिं हे सुनादः धेवा। वार्ष्यरः वीयः शुःष्यरः इसः नर्श्वेसः या। नन्नाः ग्रह्नाः हुने । वर्षाः स्वाराः देवाः मन्दरम्भव्यास्त्रम् देवा देखन्याद्वयाद्वेषाः हे यासु प्रद्वर्भायाद्वेषाः वे वा न्याक्षेयामुः श्रूराकें या नविवा। यत्रयानु यदे न्यया न मुरान्य रहा। ने निवित्र गाने गार्थ रहे रहें गार्थ निर्मा निर्मेश मुन रमा हु रहें ना सम वशुमा ने या ने अपन्य शिषार्स्य कुष्टी न प्रदेश न सामित्र सामित सामित सामित्र सामित्र सामित्र स भ्रेशः वर्षाः संस्था व्यानः स्वानः बेद्रिंदर्विद्राचत्रदाबेद्या देखां अः श्रुक्षां क्षेत्रः वर्षेत्रः वे'ता वसमाउद्दर्भातवित'र्दिद्गामयाना। सक्त्रसेद्रसेप्रस्मूर्भात्म यानवःनविवा। गहेरासेन्गहेरासुःसेन्सेर्वा। निवःहःदेसेन्स्यः इवरमाहि सूर नर्झे सावे वा जुर से द से समावे राज हवर मा। वे जार सा नडुःगहिराखेँ त्रिहेराया रेग्या शुर्भेरानरास्य नहीं नर्गा

लेखु:नकुन्ना

 ने वया मुलारें हें हे पहें वा। वयया उन् वया यावय से प्रमूर के। वस्रश्राउन्द्रन्द्रम् रागुवा शे देव।। गुवाद्रन्द्र हे देव केव पहें व।। ने निवित्र मिलेया सम्देश सकें निम्मे सकें मिले हैं है से मुन्या सुस्य मिले मा। भुन्दाम्बर्दान्द्रम्बर्भयासर्वेग कुषानावतुदानरावतुरानः नन्।। व कुर मर्विव वु अया प्याया। म ब्रम्थ न बर मर्विव प्रथ नक्क् त्राची। वें ब्राम्याहे शुः व्यान्य हे ना वें वा सें रावया ग्राम्य प्राम्य हैं। नह्या अः श्रिम् यार्थरः विदः इसः यरः द्वेदः यदस्य क्रियः वेदः श्रे अः विः वेः यद्रायावर्थाः स्थर्था यान्वरायाद्राक्षाः स्थ्रायाय्या स्था स्था नः अर्केन् भ्री सम्मान्य सम्मान्त्र । वु अरे न्त्र अन्म भ्री गार्द्व गायवर धीयम्। केंगिनियाम्यापराम्याम्याचित्रम्। क्षेत्राभेत्रम्। क्रियानवे श्रम्। देग्रम् स्मर्भाते दर्गे दार्म स्मर्भाते व्यासित न्वेर्याग्रीन्त्र्याव्याप्या धेःवेयाक्चायळें नर्स्यापराग्रा वन्या हेर्-ह्म-नदे-द्व्यान्यव्याप्या याव्याप्याध्रेरान्य वर्षेयायर ह्या वे सर्केन्द्रेन्या देन्डेन्द्रिन्यस्त्रम्यस्यस्य म्यास्य मुना धेष्रम् सर्केः रुषाम्बुर्याश्ची। मन्यारे धेन्यर इसायर नयस्य नर्मामी मन्यायी म यःगायया। यापयः प्रयासक्ति प्राचे श्रीतः स्वयः श्री। यापयः प्रयास्य स्वयः यन्तान्त्या मङ्गान्याय्यम्भेषाञ्चा द्वाने स्वाम्यस्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स वया ध्रम्बय्यायाचे न्त्राया न्या के निया में ग्राप्त निया वर्षा गू-५८-५७ वे में वे में मान्य में स्वर्था अर्के ५ स वर्ष मान्य में हुनम्म न्यमाः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः न्याः व्याः न्याः व्याः व्यः नश्चिमान्या। इसायरास्यायसार्यास्यायरात्री। रेग्रास्यस्यसार्यः हुन्निन्यराज्या नेयनेन्यक्षः हेरहेर्न्या स्याजीख्यस्यायया नमार्क्षमा नमगार्कन् हो निवे हिंद्रा हमा शुन्नि निवाह सह मा मध्येया। सर्केन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्द्रेन्या म्यायानेन्द्रम्प मेन्। देग्याम्स्ययाम्ययाउन्यर्केन्यवे भ्रिम्। वेयास्याउन्स्रीया मान्यासुं मान्या पर्देन प्रवे प्यान्य मान्य स्थान में प्राप्त स्थित प्रवे प्राप्त स्थान स् ह्या हु अर्के द्वा अर्के द राइस स्था स्या हु सम्भा हुया हु सु इस स सहेशास्त्रा देवाळेवात्र वृत्ताव्यावयावाळ्टा सर्वे केवाळेवा स्वाळेवा स्वाळेवा स्वाळेवा स्वाळेवा स्वाळेवाच्या क्रियायायक्रियाचीयायक्रिया। नश्चराक्षेत्रयाक्ष्यायायवे भ्रिया। यहसा

मुर्भाग्वायाप्त्र्याच्या विदायदे देव केव श्वायत्व मिर्भा सावस यन्वानीयार्षेत्यानगदाया न्देयानुनावर्देन्ययाञ्चेत्रायिः भ्रीत्रा हेव.रं.नेश.र्य. वर्.मेश.र्यता। यर्या.स्ट्रं.स्या.मेर.सहस्यावयाः या। सरसम्भान्भेयायित्रम्त्रम्यान्। यर्नेन्रकम्यार्भेष्ठ यरयाक्त्रियाया। देगायदेःश्चेरागर्नुयानराग्ना। वयायविरेत्वेरया ग्री-द्वर्याम्बर्यायम्। द्रशियायिक्रावर्गेद्रायाः वर्षेत्रायम् श्वा दे वर्षेत्र यानेग्रयायायायी सुर्या ह्यायान्य द्वारा विद नवरः विव र तुः सहे स र प्यो। व खुर भ्रया य के वा खूव या। विव की स क्रमश्राणीयात्रश्रामश्राप्ते।। सरशाक्तिश्रासर्केन्यान्या स्रीयाः नवर नह्रम् परि क्वें ख़्रम्य प्रा हिन क्वर म्यानवर नम ह्या दि दे है र्दे हे उत् श्री मायर ॥ स्याय हस्यय द्रिय श्रीय श्रीय श्रीय है नविव निवाय प्राययय र दि । भी निवाय प्रायय विवाय । यद्ग

येदुः त्र्राः भा

ने त्र मुल से हैं हे तहे वा। वस्र उन् वस्र स्वतः से त्यूर के। वस्रशं उत्तर्निम् श्रुत्रः श्रुत्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स्रित्रः स् वर्षित्। अदशःक्रुशःषोःनेशःठवःग्रीःवाशदः॥ व्रस्रशःदवावःसर्हेवाःवेः र्यः हुः चल्द्या वयः समिदेः द्वीरयः ग्रीः द्वयः म्वयः म्याः स्यः मुयः <u>न्रीय विस्तर्भेष पर्या हैं है से नर्भेन्य प्रमा वर्गा</u> हिं हैं निर्श्वेस पर है। दें निर्धे सर में प्रवस्त निर्दा के निर्धे स्थाप र्यः हुः याद्या रुअः याशुस्रः यथे । स्वीस्थान्यः हैं । हेश से अर हैं न भुग शुर शुग श में जिर श हो र शि हैं है श हो र नक्षम्यास्य सेट्रास्य न्यस्य मान्त्र सर्हेगाने नक्षस्य स्व है। स्वास ग्री'द्रिंश'ग्रुव'र्वेव'यर'व्युन्। र्हेंहे'याश्रद'व'वदे'सू'तुश्रा शेशश उदावस्था उदावस्य दिया से वर्षे दास्य मुखा विदादवा हा। कुया नदेःश्रश्राश्चे नरावश्चा वर्ते ते ले स्ट्रांगे रेगशःशे नशक्षांगि दे र्वि'त्र'क्षे देवार्यात्रसम्य उद्'ग्री'कु'सर्के'पीत्'पर्यन्नेयापर्यात्रीं देवया मुलर्सि हें वहें वा अभी अष्टर पर्न भून या हैं रें हिंद द्वा में अ यः भेत्। वटः कुनः श्रुं तः यन् रहेवः यथ। यह यः श्रु यः वटः कुनः श्रु वः य

थी। यर द्या द्या केया यगद झुय है। वस समिते द्वी दस ग्री द्वा स वावर्यायम्। वर्षिर विविद्य के विविद्य यह्र र्या नर्से स्था है।। यह या मुया वस्य यह स्था पर नर्से स्था देव ळेव'गुव'शे श्वेंर'न'धेया हैं हेदे'ग्रा त्र्याय दे रन हुन हेरा हरा हैर ह्या सर्देशमार नायी। लेर नविव र्वे र तु तर् नर त्युरा सरस कुरा गुव ग्री:श्रश्नाह्मश्रान्ता। श्रनामदेःश्रीशानुःसर्ह्याः हुःत्युम्। दर्ने दे दे ते रोषा ग्रे कु अर्के प्रसम्भाउद या गिते सुना में देगा मा ग्रे प्रमान के मा प्रमान हेर्-रुक्ष्यम् जुर्दे। देव्यम् ज्यारी हे हे वहेव। वर्देर् कव्ययम् य र्यानश्चराम् वायरायान्वायान्य्येवायाय्येन्यया न्यीयाय्विरास्या हुनगवः सुराः है। वसः समिवे न् ही न्या ग्री न् ह्या मान्य महावे । न्ग्रीय वित्र नर्भे या यम् ग्रा न्यम ये न के से म्या नर्भे यय है। यह या क्रुशः इस्रशः ग्रीशः वस्रशः उत्तादा। तुतः सेतः सुः तुतः श्री द्राः हेवे छुवा सर्केवा वी। दवर में विदेश देश सुरा सुरा ने दवा वसरा ठन्छे'नर्भुन्। यने'ने'में'में मध्ययाउन्'ग्री। भे'सेन्'स्राम्स्या यद्ग

वर्ने हे वर्ने न कवा या ग्री में वा या ग्री प्यान नवा सदी न या के वा से ।

द्रयाक्षाक्कियान्त्रीय हिन्द्रहिन्त्री द्रवाह्रे क्षित्य प्रविद्रा विद्रा विद्

दे न भी दे से स्ट्रिया के स्ट्रिय के स्ट्रिया के स्ट्रिय के स्ट्रिय के स्ट्रिय के स्ट्रिय के स्ट्रिय

ने त्रशायदाने निविदाया ने या शाया बस्य शाउदा ग्री द्रा सी में हि

न्ययायार्भुम्यायाये गुराकुनासेस्यान्ययासेस्यासेस्यान्ययाळेता र्रे दिस्यश्नार्ट् सक्तर्त्र शुर्रि हिता स्वाप्ति । अन् रहेश श्रूश श्री। नर्डे अ खूद प्यन्य ने प्रविद पा ने प्राय प्रया प्रया विद प ग्री नियंत्राचित्रयाम् विवास्त्राचित्राचित्राचेत्र विवासेत्र विवासेत्र विवासेत्र विवासेत्र विवासेत्र विवासेत्र वर्षायम्। दे निवेद निवेशनिकाम्य प्राप्त म्या मिर कुन से सम न्मयः बस्य रुप्ते क्षेत्र की व्यक्त स्त्री विष्ट्र मुद्रे स्थान म्या स्था स्वर्थ स्त्रे क्षिमानी यथा रें हे दे कि मायने कि दे सून नुमा ने न्या नरें साध्य यन्याने प्रविवायाने प्राया महास्था उत् ग्रीया नहें नि ग्रीया से प्राया निर्दे षरःनर्हेन्ग्रीअसी षरःनदेश्यर्या कुषाग्री विरानी से स्वाग्री ह्या झार्से । क्रेन्यी नेप्नविवायानियायायायायाया नेप्रवायायाया र्द्भेग्रयायाये ग्रुट कुन सेस्रयाद्रयाया सेस्रयाद्रया केत्र में दि । द्रापाया पदि । अूट्र के या नगद युवा है।।

र्माश्राण्चित्रात्वा क्ष्याचे त्रित्रात्वा अत्यावित्ता व्यास्त्रात्वा अत्याक्षेत्रात्वा अत्याक्षेत्र अत्याक्षेत्र वित्याच्याच्या अत्याव्याच अत्याव्याच्याच्

याव्या याञ्चयायाः भीः विस्रसायः स्रीः याव्या याञ्चयायाः स्रीः प्रस्रायस्य व भ्रेम्यावर्षा वर्ष्युम्याकेव्यास्य विष्यासम्भ्रम्यावर्षा मेनार्था स्वार्था स्वार्थी क्रिंशः वस्र शंक्ष्यः ने श्रियः हे शंक्षः देवा स्य निर्देश दे निर्वेद वालेवार्यः मः इसमाने देन ग्री प्राप्त देन होता से समाउद इसमाग्री नश्याना अधिवावश्राक्षेत्रात्कन्यम् अहन् न्या देवाश्रामी नु ने व्यवस्य स्रावितः क्षेत्राचे स्रायमः निष्ठा दे । यति स्रायित्व स्रायितः स्रायितः स्रायितः स्रायितः स्रायितः स्रायितः स् न्वाह्रा र्यायम् अर्थे। नेवाया श्री स्वाया श्री स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया निर-५८ महिन सून-५८ से दे त्यमा पान सुँ ५ पदे मो न मो साई पान हुट विर गर्द्धनःभूतःयापदः से मात्रमा से से दे त्यमा सः न र्रेष्ट्रिन् सः त्यापदः से मात्रमा र्शा रेग्रारा गुर्ने निवेद न्ते निवेद निवे न्याळेगायर्गे नन्दर्देत्नायार्श्केष्ययायार्भे यायार्भे यायाय्ये या ग्रम् क्रिया के सक्षा द्राया में द्राया में द्राया स्वाप्त क्षा द्राया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त विट सेवायाद्र राष्ट्रे केवायदे अद्वार्थ स्था

क्षेत्राची खेदुः ह्री न्गुः घर्दे॥॥

येषु नडु म

क्रांतात्त्रीं श्रेमान्य स्थान स्थान हो। यहू श्राह्म तत्र श्रो याच्या स्थान स

यात्रस्य उद्दाद्दा से प्रश्चित्र पार्थ हैं वायाया दे प्राचीत वायायाया सम्मा उर्देग्याया हो नाह्या हिया न कु क्रिंट रुप्य द्राया विया न के अअ उदावस्था उदा ग्री दिवा ग्राचा पारे वा चा से द्वा पर सह दा दे। से वा साम स्वरं वहिना हेत श्री निस्न सम्मास्त्र स्त्र मा वहें द संदे खें त हत स्व स्व स्त्र स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स् र्रेयाचेरा न्रोअप्यरार्धेर्यासुर्भेर्पायापारा नेप्रवास्थित रायासर्वित्यरावर्ष्ट्वरात्र्स्रस्याया ग्रेस्यदि द्वादि दे विवत्यानेवास यात्रस्य उत्री स्वाया ग्री हुँ ताय देखं या ग्री कें या है वाया यन ग्रीन हैं। सूस्रात्रा शुत्र रसाग्रीसासी पर्के से ने प्रसाद से सान् प्रमान प्राप्ता सान न्दाम्श्रुद्द्वायाः हे हे दे मायदा यूनाया अस्य या उत् ग्री ख्रेद्दे ग्री गुर हुनसुयानरा हो दारा बेसा हु ना स्वाह मार्थित स्वाह स वस्रयाउन् ग्री: भून्दान् सुदान्दा श्रुवाया ग्री: द्रायाया निवाया हे पहें त' वसरा उर्'ग्रे क्रुं र्र' ग्राह्मर र्र व्याया ग्रे र्राया के ग्राया र से ग्राया व या केंगायहें त्राम्यस्य उत्यो सुन्दाम्य स्वार्थिता यान्स्रीयात्रायन्ति हेन्। हेन्। सुन्नास्त्रान्त्र सुवात्राहें हे त्यत्राह्में वा वी । यसरेशन्य नहें न्यम स्वाय नस्य प्रायने सुरा वार्ष र से ।

क्र.संक्ष्ट्री ट्रे.प्रश्चित्यक्षेत्य.य्याचीया अटयाचीया ट्रे.प्रक्ष.संभीया रय.धे.प्रट्रे.प्रीयित्य.व्याचीया अटयाचीया इ.हे.स्रायया

न्ययः हे अः शुः त्रवा। ने व्यवः ध्रावः ने हे हे ने विव वा ने वा या प्रायस्य या उत् ग्री:नन्मार्सेमा न्याक्षेमा:वर्ने:मासुरमःसी। न्यायानवे:न्रीट्याग्री: न्तुरुपाव्याप्त्रा नर्गेन्यदेन्ग्रियादिर्म्यक्ष्याप्रम्श्री नेयी न्तुरुपान्यान्याधीयो हुँ॥ रम्पीया बुग्या शुर्म्य हुर्म हें दे देन वेर केर वनर ना इयापर में नाम समाय माना सम्यामु सामी है। भ्रामश्रम् श्रमश्रा इम्यायम् ने प्रेयम् ने प्रामगा ने स्रामगा ने स्रामगा ने स्रामगा ने स्रामगा ने स्रामगा ने स वर्गुरान्। भुम्बर्गराष्ट्रम्थार्थः हिन्द्रेन। हे हे सेसस्य मुवा र्रें के। गुन्तीं गुर्रें नें न्नर्धुग अर्केंग रूर्मे न्मेयायें रूर् र्हे हेवे। क्षेट्रप्र होट्रप्रे खुयाट्र सुमा वर्दे हे सरमा सुमा बमा उर्गी। श्रेटार्से हे नसूर्यायाधीता। स्टास्नाया श्रेयात्रास्त्रीयया वर्षात्रे॥ ग्रव्यानवि इस्यासु ग्रा त्रुग्या स्था व्यागसुस सु न्तरे र्श्वेर न भी विदेश मुख्य दिया मुख्य दिया मुख्य विद्या मुख्य विद्या मुख्य विद्या मुख्य विद्या मुख्य विद्या मुख्य विद्या मुख्य म हे न्याक्षेत्रा वी याने स्नून हे या नगाय सुत्य हैं। ने त्या विने हे हें से अर्केता वो वाश्वर वर्दे।

श्रुट्रायादेर्द्रत्यश्र्यां अंग्या द्वीयादित्र्यश्रायायायाः व्या भिष्यां प्रत्यादे क्ष्या दे भिष्याद्वा दे भिष्याद्व दे भिष्याद्वा दे भिष्याद

गुर्भाते॥ क्षुम्स्रमाद्देश्वेदानसूत्यानमाग्रा वदीविद्देहे वस्रमाठदाग्री यर्याक्त्र्यान्त्रात्त्र्यास्याक्ष्म्यास्या हैं हे सहित्रहेत्रिय्याया हैं विश्वास्य र्रेयार्सेदे त्युराया है। रेट्रे प्ये ते ख्या सर्वेषा परी। व्या नर्त्य नरार् गुर्भान्दे॥ थे:नेशः हैं :इन् ग्री:नाश्रम्। शुन्माश्रमः श्रुनाश्रमः श्रुनाशः त्युनः यर विशुर्गा अर्केना र्रेज या निमान स्थान र महिना सा निरःभ्रमाः श्रूरः वर्गा। धेरः यः सगुः विरः रमायः श्रूरः नदे।। दर्भः ग्रुनः मु केर क्षेर नर त्युर्। यदय मुय नुर कुन से सय द्या स्था म्ग्रायाणी र्रेट्रिन्यदे यहें मासून मा र्रेट्य प्रयाप रित्य प्रयाप र विष्य ने धि श्रिमाने ने स्वर् विष्या ने नियम कुल से हिं हे वह ना हैं हे माश्रुय मी सून पासकेंग। यहेगा हेन पासुस सकेंगा हैं से पार्टिश। पासुर ने वर्तः अत्राचनावः स्वयः है। स्वायः ग्रे से या इ. हे से ताया हैं हे वा श्रयः ग्रे धेःवेशः<u>र्हे</u>ग्या न्नदःर्रे गहेशःग्रे श्रुंदःनःधेया न्देशःर्रे व्रययः उट्-नह्नामान्य-च्या पर्ने वे स्मार्थ क्रुमा स्मार्थ थे। स्मार्थ थे। न्याक्षिया निर्मायदे । निर्माय नःरनःनर्भेषःविद्या क्यायायाक्यायाययान्यः नरः न्या वदे ने द्राद्या कैयान्यीयायिम्भी। नेत्र्याम्याये में हे वहेता। ने नविवाया नेयाया रागुत्रची अस्र उद्दिनद्दिन स्थान मुस्

वे पर्ने अप नगप सुरा है।

यहेगाहेव निस्रका ने निर्मा निर्मा निर्मा है स्थ्रेन खें निर्मा न

येतु'मङ्गाडेग'मा

ने त्र अप्तर्रे अप्युत्त प्रत्य अप्तर्म अप्तर्म प्रति । विषय । विषय प्रति । विषय । विषय

নাগ্যদ্রমার্থী।

र्हे हे नशुराधिन स्वारा ग्री सर्वेन स्वा मुना के ते दे हिरा मुरा के ते से स्वाप से साम ग्रम् क्ष्रमा व्याप्त वित्र मित्रा मित्र म लेशक्षेट्रस् के॥ र्हेड्द्रभूते क्रिंच हेट्रा स्र्री अक्षे हिट्र क्रिंच निष् येन्या रेंहेग्रुप्ते वेंन्द्री हुँ ते सुप्रिप्त हुग्य हैन्द्री र्हे हे से मुन्यासुस वें न वें स्था न वें स स्वर प्रमान न वे मान न विवर पान ने पान पर वस्रयायत् में भूत्राच्याया में म्याया में भूयाया में भ्राप्त में भ्राप्त में भूयाया में भूयाया में भूयाया में भूयाया में भ्राप्त में भ्रा र्दे हे गुरु के अपन्यस्या दे हे क्षेत्र के वर्षे प्रकेट न्या दे दे प्रे के विषे नमसर्भे। ने लायने ने प्ये भेम में हे ते से मार्थिया है। में हे ते प्रीया वर्षेर-द्रमुश-पाद्रश-धर्मा हुँ विश्व-द्य-द्य-द्य-द्यम् मा। पाश्रव-द्ये न्ग्रेयायिम्रन्त्र्याम्बर्यायम्। धियो और ते क्यायम् नयस्। केया ग्री-द्रग्रीयायित्र-द्रमुश्राम्बर्गायश्राम्या धिःमो ध्रुक्षे स्व-तुः नर्भे या। धिःमो हैं ग्री अपनिष्य नहीं अर्थ है। हैं मिश्रु अपनि हैं राश्रु अपनिहास हैं राश्रु अपनिहास हैं राश्रु अपनिहास हैं राश्रु अपनिहास है। र्भागश्रम्भारम्भाक्ष्याच्या मुग्नश्रम्भाव्यास्य स्वर्थः स्वर्ध्यास्य स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स यरयामुयासुर्धे अठेव के अपूर्क यरयामुयाम्य प्रमुद्ध वे भे भे राष्ट्रमार्थ हैं। जुर कुन कुन सर्वे मायरे भे वही। वर्दे दे अटश कुश वस्र अठ र शे॥ अटश कुश ग्रुट र कुर र र शुरा स्था

त्रित्तिं क्षित्ति क्षेत्र क्

वा रेंहे भुन्न पश्चन श्वाया त्रुन श्रेन श्रेम सम्याया वेराष्ट्राणि श्वेव केव सें। इसामा श्वर सह रास है रास के वा कुर से सा। वह पी रा यरयाम्याम्याम् भार्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् रा.चार्शेश.रे.चार्यशा श्र.च.होरे.ग्रेश.पचीय.तर.पचीरा। यर्थुश.र्ह्य. वर्षः भुः हैं है वायर वया दे भूद हेया वायर दुख हैं। दे विव वाये वायर यात्रस्थाउन्। श्री क्षे क्षेत्र हे प्रेन्। बेरानमें नाया बेरानु। नवे कि नारे प्रकेर के प्रा क्रिंश ग्री प्रायमित्र प्रायम्य दिया व्यास्त्र में हिते प्रायम्य स्था ररानी स्वाया ग्री से या ना से हो। या से से प्राया ना से प्राय ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राय ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राय ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राय ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राया ना से प्राय

दे निवेद ग्रिन्य स्वाया व्याया विद्या नःवेशःगुःनवेःहेरःरेःवहेनःहें। हें हेवे:न्ग्रेयःवित्रःन्यःयःवे॥ वयः यविदः हें दे दे दे ये था शास्त्र स्टा के वा था शे था दे हें वा था है था था। श्रेयशयाधीयो द्वाप्त्रभा न्याक्षया केत्र सेवि ने किन्द्री। व निर्मिण इस्यः स्रम्भा स्रम् स्राप्तम् स्राप्तम् स्रम् हे न्यायीय हा। क्रिंव में हे दे ख्याय प्रमा धे भेय प्रमा हि स् सर्हें र त्युरा धे भे राष्ट्र प्यति न हेन न हो। हैं हे न सूय राष्ट्र या शुरा र वावर्गा वर्डे अःस्वःवन्यः हें हे वे श्वायायायर वयाने भून हे या वगवः कुलाहें। देनविवागिनेवायामध्ययाउदार्शक्षाद्राचार्यराद्रायाया ग्री-द्रमार्क्षमार्हे हे लेश ग्रु-प्रदे हिट दे त्यहें द हैं। धे लेश द्र्योय त्यें र न्त्रश्राद्या र्हें हे के दार्श नर्झे सम्मन्त्रा शुर्श ह्रस्स्र स्था गुदाया वि दश्यायाया हैं है प्ये प्वेयायाय अवसाय मुरा वी याया मुरा मुरा मि

याशुसर्-द्रसळेयायादस्य। सरसः क्रुसः ग्रीसः ग्रहः याचेयासः से प्रशुह्या नर्डे अः स्वतः यद्याः यावदः हैं हे 'द्याः कैं वा 'वी य' दे 'भूदः हे या वगदः सूलान्। सुन्दान्सुरान्दा सुनामासी सूदाना वर्तु दानाने निष्ये वर्षेदा न'वेश' ग्रु'नवे'हेर'रे'वहें न'हें। हैं हे वे'न्ग्रेय'वर्षेर'न्गु श'शु'ने।। रर' श्र्वायाः भ्रेयायाः स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वा क्षेर्दिन् वेर क्यापर नर्सिया। नै। वह्यान्ययान्य क्षेता वेद्या क्षेत्र वा भुग्नाश्रुटः श्रुम् शः में हें हें उद्या शः मञ्जून्याः शः मञ्जून्याः शः मञ्जून कुनःशेसशन्दरने वशुरःम्। ह्याः कुनःशेसशन्दर्यः भेशः नेशःशेः न्याः विद्या वयायिदिन्विदयाग्रीन्त्रयाश्चात्रयया। यर्केवायर्केनाः हिदे सुर्यान्त्रीया र्हे हे ते भुन्द त्य न्य त्युमा वेदी वय समिते हें हेदे-न्याक्षेत्रां मी नर्गेन् पदे पात्र या वे या ग्रामदे हिर हेर दे वह व है। यह या मुश्यास्त्रिन्नेशन्याक्षेत्रायक्षेत्रा हैं हे पकर न्दर नर प्रमुर्ग नर्दा। वसःसमिदेः नृत्ते दस्यः ग्रीः नृत्यः ग्राव्यः सम्। सम्यः ग्रुयः नृत्यः वर्ष्ट्र-द्रमःमः नममा हैं है से समाद्रम्य न स क्षें ते नर्से या या है। हैं हे न्या के वा वा श्वा वर्से या या श्वा के नश्चित्रहें हे नश्चार्या नहें अध्याप्य स्तर्भेत्र स्तर्था नश्चित्र स्तर्था नश्चित्र स्तर्था नश्चित्र स्तर्था नश्चित्र स्तर्था स्तर्या स्तर्था स्तर्या स्तर्था स्तर्या स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्था स्तर्या स्तर्था स्तर्या स्तर्या

ने भून हे या नगद सुत्य हैं।।

धे. नर्सु न्या थे. सु. १५५ म् । वासु न न्या स्ट न स्वा साम स्ट वा स्ट न वहिंत्। वहिगाःहेतःविस्रशः इस्रशः वस्रशः उत्ता से वर्धेतः हे स मक्रिं मर विद्या वर्षे अपनि वर्षे अपनि वर्षे वर् सर्देव सर प्रचुर नवे प्राक्षेता हैं हे लेश ग्रुनवे है र रे प्रहें व हैं। वस यविद्यानीत्यानीत्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान नश्या। वयःसितिः हें हे रच नश्चियःया। देव केव कें वे नश्या सर ह्या औ हैं है न्य के नाम सुय नर्से य म्या है है मासुय न्या से न वर्ष्या अंशन्दर्या श्रेस्र हें हें खेशा न्त्रीं दर्स के वान्य हों द्र्य-प्रदा रे.ये.यर्वा.येर.विरःक्य-प्रा ले.लेयाव्यर्यः यर्र्यः यात्र अप्तर्मुन्। वर्षे अप्युव प्यन्य ने प्रविव या ने या अप्य में हे प्रविव अर्केया न्ययः श्री अपने अपने अपने यादा अपने विष्य के वार्य देश र्श्वेर्प्या हे ते खुव्य वेश गुप्ति हे प्रदेश है। विश्व विश्व मुन्ति । ग्रीन्त्रअःशुन्ते।। यदयःमुयःन्ग्रीयःवर्षिरःन्यःयःनयय।। वहेनाः हेव द्वर द्वार्य रवा क्षेत्र त्या के राग्ने के विषय हैं। हे दस के वा वा शुरा न श्रें स स्या। हैं हे वा शुरा दसवा से द र वा स्या सुर्भान्दर्भवा सेस्रभाई हे धिया। देंद्रन्धवा सेद्रन्दर्भन्य स्यून्। ने दे से समा उदावसमा उदारी। वेनामा के दाया दे प्रमुदान र प्रमुद्रा

नर्डे अप्युत्तर्वर्भार्टे हे के न्यमा मुस्येन्य अन् भून हे अपनमाव सुत्याहै॥ व्यव मन्द्रम्य मुर् से द्रास्ट हैं हैं किंद्र ही द्रम्य विश्व हु निर्दे । वहें वर्ते॥ वयायावि द्वीरया ग्री द्वाया शुर्ते॥ यरया मुया द्वीया वर्षिरः द्रमः प्रम्यमा हैं हे म्इ प्रम्य प्रम्य द्रम्य द्रमः विष्य के प्रम्य मुनर्झिया। औँ हैं हे न्या कैंगा ग्राया श्राया श्रीया या हैं हे गार्ने दा थे। बन्दरत्युम्। सुरुन्दर्द्वासेस्र हेस्सेस्। हेस् वेवस्सेन्दर नवे विद्या ने ने निम्मय स्वराये भी साम की समार हत गुत दिन प्रमुद नर वशुरा। नर्डे अप्यन वर्ष में हे मिर्ने वर्ष ज्ञान अपने भूत के अपनाय য়ৢয়ॱॸॕऻॎ वऻॕढ़ॱऄॱॿॱॸ॔य़॓ॱॸॣॺॱऄऀॱवॱय़ॕॸॱॿ॓ॸॱॹॖऀॱऄॱढ़ऻॺॱॹॖऀॱॺऄॕॿॱढ़ॹॗॸॱ न'बेर्यान्तर'हिर'रे'वहेंब'हैं। वस'समित्र'न्नेर्यान्तर'न्नेर्यान्तर'न्ने यरयामुयान्ग्रीयान्दिरान्यायानयय।। हें हे सूरायह्नानक्ष्यया या। भुग्नशुर्यकेंद्रिः स्वापुः नर्श्वया। कें हिंहे द्या केंगा नशुर्या नर्श्वययः नम्। इस्रापर सूर सहर सहर सहस्य स्राप्त स्त्राप्त स्रमा स् थे। इस्रायम् श्रूम् सहम् वर्षः व भुग्राश्याक्षेत्राचेन् भूताचेन् त्युम्। वर्षेत्राध्याक्ष्याक्ष्याचेन् स्वाध्याक्ष्या यह्रन्श्रीयाने स्नुन्र हेयानगाय सुत्य है। युयान्दरायान्दरायीन न्यीयाया मासर्वित्यम् नुमास्ति हे ले या नुमारे हिमारे वहीं वाही। इसायम

ड्रेश्चर्यादःश्वरःही। व्राच्यादःश्वरः व्याद्याः क्रियाः क्रियाः व्याद्यः व्यादः व्याद्यः व्यादः वयः व्यादः व्या

र्हे हे के देरे हे खे या। वनर न खे ले शहरा मर न के दा। जाद श म्याप्तिक्षीर्या हेर्ड्स्स्वलेशयर्या सेर्स्य यर.स्.प्रधियोश्रासाल्गी रराक्रियोश्राप्त्र्र्यायञ्जूषात्रम् भ्री हु.है.कि. लु.श्रूर्यालुश्रा हु.इ.अह्यत्नेशातरायराययेगा हु.इ.यशायदुः न्ग्रीय हेन्-न्या वर्षेत्र व्या अरम मुमायन स्तिन वर्षा अरम मुमा वह्यायर रच नर्भे सम्भाता। सरम कुरायात्र सर्दि वर वर्षे रा यरयाक्त्र स्त्रीयादिर्दर्द्द्र स्त्राच्य स्त्रा न्या निष्याचा सूर नेशन्त्रम्भा वर्गेग्नन्दे हे सेस्र हेन्न्। ग्रन्हे ने व्यक्ते वशुरावा। यदयामुयागुवामी अर्थामुयागुवामी अर्थाम्या ह्रवासुन्तुराधुरा अद्यामुयाद्येयाद्यराद्य्याद्या भ्रेन्य भ्रेन् विवा येर शुरायर प्रविवा यह या कुया र शिया विवेर प्रविवा विवासिया

न्ययाम्बरमायन्त्रायाले यात्रामदे कुन्ती कुषार्य केत्र्या

कें नियम सेन्य मार्थिया सेन्य मार्थियो खूक्ष सम्मार्थि में हे निया खेर सुर पर प्रवया वर्ते ते द्रा के या अर्के या यो अर्के या मुशन्दिशःगुनःर्वेनःवगुरःन॥ देहे त्रशःस्विः न्वेदशःग्वस्थः पर्म। नश्रम्भायान्या हैं हे नम्भायान्यान्या मम्। क्रेंशःग्रीःन्ग्रीयःवित्रःनङ्ग्रीयःमरःग्रा सुराम्याःशेसरायःधाःगेः ख्रुवा नर्यस्थान्दे ने निस्तान्य न्यान्ते निस्तान्ते निस्ताः धियो द्या नर्मा नर्भाय निष्ठाय नर्भाय हे नाशुरा ही हिंवा पदे न्या के वा नी या ने स्नून हे या नगाद सुता है। सुन्त गश्रुरः ब्रुग्रथः हैं : हैं : धे।। इत्यः दर्जे रः वर्दे रः ग्रुरः धेवः करः वे।। र्ग्नेगः ग्रथः षरक्षेत्रमण्याः स्टा देषर हे हे वह विवस्तर विद्या देविवः ग्नेग्रथायात्रस्य स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर वर्षायायमा देग्विवामिनेयासायसस्य उद्गीःस्यासाग्रीःदसःक्षेताः ने वित्र हिन हैं है वे ने वा मवे हु अन्त अर्के वा वी खेतु है। व दु वा देवा मवें।

येतु न इ न है या है या न

ने वया क्रिंव पार्ने हे पहीं वा क्रेन पाये के या अर्थे वा क्रिन पार्थ क्रियाने हेन्दे स्वार्थिया। हें है योशिर योश स्वयं स्थार शी स्वयं रहा यर्द्धरमान्यर्थरम् इयान्यर्थे ह्रियार्ट्स् हेर्या के मान्यम रदानिवाद्यापायया। र्रेयार्थे वदी द्यार्भ प्राप्त प्रमुख्या दर्गेवाया केवा र्रदिः अः सुवायः स्वा ये अः र्रवायन्त्रयः नुः स्वायः ग्रीयः वस्तु वा रे से र्वा दिने व यदे अ सुवार स्वा प्रस्था प्रस्था व्यवायम्य । व्यवायम्य । व्यव्यायम्य । व्यव्यायम्य । व्यव्यायम्य । न्दर्मा सेस्र हें हे त्या हें हे त्रह्म प्रम्न हुन हैं स्था सुराद्दर्म श्रेश्वरातार्श्वेश्वराया हैं हे प्रह्यायाय प्रत्याय प्रमा प्रमा कराय हैं। धे हिंद रं य र्। रें हे प्रवर वंदे दें र र वा वी या। कुद इयय गुद की य नक्कित्रमधी। न्यासदे नन्याकेन श्वर वर्षेत्र श्वर वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र क्रिंग्राश्वरा। वयायटा सर्वेटा चरासे व्यासी हें हे पह्याया सर्वेगा गी'न्याळेगासे'सूर'यावेयानु'नदे'नेरारे'वहेन्ते।

र्हे हे से से दाया स्थान के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के स्थान के स्था

यद्रमा अर्केन विष्यु । स्टानी स्वामा श्री सामा विषय । मुश्राचस्रश्राउट्राचलुग्राश्रायदेशा नङ्ग्रीस्रश्राद्यास्यामुश्रादद्यान्यः वर्गुमा रे:मन:शुअ:इ:इग्गंगी ह्य:ब्रद्धि:श्रेट:व्यंटायथी। हैं हे पहें ब न मान्या ने पी हे अ शु प्या न मान्या परिंद । वेंदिन्यक्षेत्राचेशन्ति हैराने वहें देने के दे लेव.सम्। यश्रश्रश्रद्ध. इ. ५५. १५५ वर्षेश. व. १५५० श्रीश. मी द्याञ्चर हे स्ट्रेन प्पॅन पाणी ने स्ट्रेन की दे सुन से न सम्मा प्पॅर हर् हर् की मार्थ शुर्म इया देया में रामी या ह्या हिस्स । त्री। यञ्च क्रेन सं त्र्रायम् न्या। रूट स्वाय हे हे प्रयाय स्य नर वशुरा रे रन शुरा दुः इन् नानी स्वाध्वर हे स्ट्रेर खेंद्र राजी। श्रदशःक्तुशः सर्केद्राः सर्वेदाः द्योत्यः वर्षितः द्याः प्रदेशः वर्षाः वेदः वर्षेतः वर्षेत्रः वर्षेतः वर्षेत्रः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेतः वर्षेत्रः वर्येत्रः वर्षेत्रः वर्रेत्रः वर्षेत्रः वर्येत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्य म् स्वाप्त न स्वाप्त न स्वाप्त न स्वाप्त न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व नड्दे अद्याक्त्र मध्य अरु दिया वाय दिय ग्रेन्। दूर्म्र म्याधारम्यायद्वारे दूर्या स्ट मी स्वास ग्रीस स्यामी

वर्गुम्। विस्रमान्युसागुर्वाचीमान्यासर्हेन् हेन्। क्रमान्यन् सुस्र द्यमानुरुपा र्रेट्यम्बर्भन्ते मिठमानुर्या से सर्केमान्यरान स्ट्रित यर.पश्चित्र। योट.क्स्रस्य.पर्ट्रेट.ट्ट.यस्रस्य.य.च्या स्री.योश्चट.खेयोस्र.क्री.ह्र. हे तहेता हे हे ते श्रुवाय त्यय रन ह श्रुट्या ने सुर तु त्ये रहे या वा रहे या रयाम्। वस्याउन्मी न्याया वेया मुन्दि हिन्दे वहें व हैं। केंदि देख ग्राञ्चनाया। नयस्याने निर्मान्य द्वा द्वा द्वा स्यान द्वी स्या दे दे दे दे साम्रा हु षद्या वटःक्रमःश्रेश्रश्रद्यदेश्वेत्रःवट्टरःवश्रुम्। हेःसःवरःववेःवेत्रद्रः विरा। ह्झुःकुःर्नेदेःगशेरःग्रीःसर्नेग अक्षिःरेःसुःरं नःगदे॥ द्युःस्टः द्यारी यश्यभाष्या वर्षात्री। रेथियाशी स्थानी पिरः न दुवा द्वा न देवे ने संस्था न स्था न स देर्पतर्मात्वामा है'सम्बर्गनदेखेंर्प्य विरा हंसू कु रेवि ग्रोस छी. यर्नेग हुँ वे रे खुर व गयि। वर्ज कर र या नु न या मार्थ न व व व शुःरदःवीःशुःधीःवाञ्चवाया। नयस्ययःहेःविरःवञ्चवाः इसःवर्श्वेसयः वा। देः वे ने साम्या हु त्या में हे हे ते भुन्द रे दे न सम्या हो समय न हो र

वर्षेत्र के त्र से दे ते वा वा वर्षे स्वर्ग है। यह वा कु विट्या थे:नेशव्दी:वे:रन:श्रुव:या थे:नेशः हैं:हे:दवा:वीशःश्रा अवदः न्वेरशर्रें हेवे न्व्याव्यायम्। धे नेय से नर्से न्या नर्से स्या ने।। यगा हु हैं है रन नक्षें अश्वा हैं है वे रेगा य वहीं न यर वश्वा हैं हे के तर्रिये रेगा राज हैं सर्गा है। हैं हिये सुदिर स्वार्श्वेर विद्या हैं हिये सक्यायदी स्राचाय थे। यो से साई हे द्यायी सामय द्वी सामय द्वी सामय द्वी सामय द्वी केव द्र तुरुषा मावरुष प्रमा। देव केव दें हे रम दुर मर्झे अरुषा। यम हि देव केव रन न क्षें सम्भावा। देव केव देवा मान देव मान प्रति के धीरियायायक्षिययात्रया। देव केव क्षुं वे रना क्षेत्र स्विता। देव केव सर्क्रियायदी सूर्याय दे। दें हे प्ये प्रेशन्यायी ह्या समयन् ही दशक्रिया ग्री-न्तुर्यान्वर्याच्या कें न्यना सेन्या राज्या हुन हैं। र्यायर्श्वेष्यश्वा यर्श्वेदेःरेवायायहेवायरायग्वामा यर्श्वेदेःरेवायाळेवा नर्भेयमान्मा केंगाग्रीभूरने रनार्भेराने राहेरी महेरी सकेंगाये श्चित्राचित्रा लेखेश्राई हे न्यायीय ह्या अविवन् हिन्यान्य क्षेयान्त्र या ग्रम्भा गर्ने व से स्वरं भे से स्वरं स्वरं में स्वरं मे यम्। हु रयः में। रनः नश्चेंस्रश्ना रयाचीते रेगा या वहें तायर वशुरा न्यः कें मा के व र से दि रैग्रायान्युं स्वया विग्राया से प्राया से प्राया से स्वाया स्वर्षा स्वर्या स्वर्षा स्वर्णा स्वर्षा स्वर्षा स्वरं स सर्केना यदी सून य दी। धे भेर में हे द्रा नी र हा। हे गशुस्राधे भेरा

श्चित्रायाः भी त्राया है है छित् स्वर् त्यीय स्ट त्यीय स्ट त्यीय। भी याश्चर श्वित्राया थी।

नर्डे अः स्वाप्त अन्या के वा के वा से दे र दे अः नु न हे अ दे । अन डेशनगदः सूयः है। ययः ग्रीनिवियर्दियः भिरामिष्ठमा नुरा। यस्त्रायः याद्यान्दरः विः याद्यश्रा देः हे 'द्याया' यदे 'च्चित्र स्मः च्चित्रा स्मा वे हिना हु न क्षुना क्षेत्र न क्षुया हैं है उव ह्यय र छै। क्षेत्र न क्ष्य स्नाया ग्रे भ्रेरान्यरा। यदयाम्या भेर्यान्त्रा भेरान्त्रा भ्राम्यान्य न्नानामान्यम्भा न्याक्षेताम्ययानुमार्श्वन्यमा है हेया नगुनान्त्राः हे न्यः हे न्याः वयः समिते न् ही न्यः ही न्यः ही ना नगुनाः रादे कें नादे। इस पर श्रूट सहंद प्राहें र तें के। हें हे पहें पर हैं ना से नमा कुषाम्वराष्ट्रम्या स्थानस्य स्थान्या न्या के मा न्या के मा न्या के मा শ্রী'নম'ন্ত্যা নিমম'নাধ্যম'ন্ত্রী'নম'ন্ত্রিনা'ন্ব্যানা'নর্ত্যা

द्यायि स्थानि स

वे क्यानक्ष्य्याया। यगा हुनक्षुन ग्रुन्यस्यया व दे॥ रे हे प्राप्ते वर् नर वर्म्या ग्रम् ग्रम्य स्थान सकें न सकें न सकें न सकें न नश्रक्षेत्रम्भःस्वः पुन्त्रभून॥ यदे वे स्वर्थः क्रुशः वस्रशः व्या ग्रभरामदे भ्रेरामें मध्यापाधीत्या मर्डे अष्ट्रम् व्यन्याम् मराम केम मिरि न्यः कैया मी शर्ने भून रहेश या श्रून श्री। भ के व र न्या कैया या केया यो श वै॥ र्हे हे माश्रुय अर्केना नश्चन प्रमः ह्या निवर है द्या केना यक्ता मीश्रात्री। देगापादहेनपदेगार्डम् र्म्पत्याम्। सूर्पदेश्याप्या क्रिया यो शा अर्देव भेश ख्र द्या र्वेच प्रमः वयुमा हं भः द्या यो द्रभः क्षिमानीया। क्षेत्र्यूरायाधी यद्यार्थे रावसूर्या हिः भाद्यायी द्याः क्षेत्रा गैथा। न्देशःग्रुनःवस्रशःउन्दिगुनःसरःदशुरा। नःसरःभःधःन्सः बेन्द्राण्या। वस्रवाउन्निश्वस्याप्रम्यान्त्रा हैंहे हें राना यदे निभावी। यदमा मिमा वसमा उदानि विभाग्ने या। वसा परि सर्वे वा इसरागुन्थन ना। भुगासुन मुगराने हें हे उन्ना क्षेनमान लेग न्याक्षेत्रान्ता। न्तुःक्त्रुवःहें हे यकेताःवहेवःम। यत्यःक्त्र्याः यत्यः उद्रासहेशःशुरुःय। द्रसःक्षेत्राःसर्केताःवीशःशुः नःवे॥ द्रदेशःशुनः त्रस्रशः उद्दिश्चान प्रति अर्केषा प्रति वा अर्केषा यो शास्त्र मा विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास

वस्रकारुन्योः नेकार्ने हेन्यु मारा नेका ग्रामिक के निमाने विकारी।

धुंधि'द्रसक्षिमार्हें हे सकेंग हैं हे उदा श्री शर्दुं पर्देश सारि। नर्रः के.कं.लु.कुर्यः तुर्या व्रा व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्यापता क्रें ग्री न्या के ना ग्रा वित्ते हें हे दे खुवा यके ना है। वित्र खुवा के नि नःलेखा रेंहे. शे. हेन्द्रः नरः वशुरा रेंहे वे न सक्षा न न न हैं हो हो र न वेश गुनदे हिट दे वहें न हैं। हैं हे न अर्के मा मुख्य गुनर्भे म मश्रमहें हे उत्र नु शुमा हैं म्राय दुवे से सम उत्र वस्म रहन शी। र्वेर्न्न्याधित्रविव्कास्य अर्केर्न्य विष्या विष्या हित्राप्य स्वाया स्वर् न्। र्रे हे वे नन्ग हे न सूर नर हो न। वर्षे र वे वे न स्व र वे व सक्र्या अरमःभ्रिमःभ्राद्यः वर्षः न्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स रेगानावहेर्नान्देर्या हैं से स्वर्मा हैं हे दे भुदे स्वर्में अभागमा वस्र १८८ द्या स्ट्रिया स्ट्रिय क्रूट विस्रस्य न्या दे स्रूट नर होत्। स्रद्य क्रुस गुद्र व्यस वर्षे या पर्या भ्राणी नु से स्वर्ण मार्चिता मार्चित हो से नु स्वर्ण क्रिया स्वर्णा हैं हे गशुस्राभी गवस्यान्या दरायमाः सुर्द्रात्राप्तविद्या देशे श्रमानीयासर्हित्यम् त्रमुम्। महित्रे से नित्रस्ययासा सुम्मियाया यन्ते हे स्रेन्या सर्वे लेश इन्यश र्षे अपनि हा वित्र द्वार वित्र य

याचीयात्रकूचात्वा। हुं. हुं. श्रे अष्ट्र ट्रिक्ट क्ष्यात्र स्वीतात्वा। क्ष्यायात्वा क्षयात्वा क्ष्यायात्वा क्षयात्वा क्ष्यायात्वा क्षयात्वा क्षयात्व

र्रे निर्देशिक्ष मा प्रमुव मिले के त्र निर्मुव निरम्भा सुव मा केव में हो न में वे के । न में मार्थ में हे कि की मार्थ में न में न में कि के कि के मार्थ में मा यात्री निर्मा में निर्मा यो भी सार्हे हे त्युन सम् त्युम्। निर्मे नेयानर्रा है द्या वस्याउदार् ने ह्यायर ह्या वदी ने स्याया ह्या वस्रश्राह्म स्वाराणी देवित स्वाराणी देवित स्वाराणी देवित स्वाराणी देवित स्वाराणी देवित स्वाराणी देवित स्वाराणी शः श्रेंगश्राप्ता स्वाकुः इस्रायस्य नेवेदाया द्वारा दे विवासायद्वा छः र्देग्या ह्या हुन्देर्य गुन र्वेन पर्देय प्रमा नर्देय थ्व यद्य स् हे क्षुन य के त र्ये अ ने अ न न न य कुय हैं। य य प त रहें हे न वि न न मीया। नहुयः लुमायः नहुतः प्रयः नश्चेतः प्रमः ह्या। श्चाम्युयः यहुयः परितः गुरामा नर्सेस्र अन्दर्भ गुन र्सेन पर विग्ना दुर्भ नि दिना दुर्भ न र्श्वेर नगा र्रे द्र द्र प्रमानम्य प नर्झें सर्भ तः र्थे साम भेता वर्गा नित्त दिन हो हो दिन हो । त्रुगिठेगात्रुनासेन्द्रमात्रेया। र्हेस्ट्रान्यकेगानसूनान्द्री। दर्य गुनः शुरु: र्वेन: यरः विश्वा विषाः ग्राम्यः ग्रेस्यः न्या हः धिशःक्तुशःयरःरवः हुःवश्रुव॥ वाश्वरःवः श्रुक्तेवाः यशः वुदः वः या। ह्नुःवः म्रेन्ग्रीयावर्यानायम्यास्या। नेप्यावनेम्ने छेप्तम्सूनायवे स्यापवे लियाल्या शरशाक्चिशाश्चीतह्रियार्यायार्टराह्या हुः हे सुरी सुरावाश्वरा वर्ग्य में विवर्श्वेयान्य विवर्श्वया विवर्यया विवय्यया विवर्यया विवय्यया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयया विवययया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयया विवयय

यद्यामुर्याम्यया। देःपाश्चापी यळ्वापाणेया। विवामीयानस्ययः ग्रीशाम्बर्शासहनान्त्रे। नेपायनेने नेसुनायते स्वापाये खुलाव्ये। केशाग्री गश्रम्ययान्ययान्यस्या। दें हे से सेन्या स्यापनेन स्यापने नक्षन्याः ग्रीमिन्याः न्याः है।। हैं है मिश्रू निर्म्य स्वा हैं है से से है न यश्चित्रानर्श्वेष्ठ्रभावश्चित्रयाच्युत्रच्यत्वयायायाच्याच्या देः यानाश्रुरायशा गुरानाथी। विवागीशानक्षनशागीशानवशासद्दादी। दे यायदी दे श्रुवाया केव सेंदि श्रूबायदे प्याया में हे दे ते श्रुवाया यह वाया न्यस्या रेस्थित्यास्यायविन्या विन्यीयानस्य च्याने॥ र्रेष्ट्रेष्ट्रम्यान्द्रम्यान्द्रम्या र्रेष्ट्रेष्ट्रेष्ट्रम्यस्य नमा द्विम्यानदुः त्रान्त्वम्यास्याः क्रुयाद्वस्यमा देः यः द्वम्यायः ययः बुद्दान प्यो। बिद्दा श्रीयान स्वत्या श्रीयान द्वया सद्दा देश यह या सुया है। हे से समाद्राय विष्या विषय के मारी से समाद्राय विषय है स्था मश्याद्यत्यम् होत्वादी। क्यायम् व्याश्यम् यार्मेव् से आ। ने निष् यानेवार्यायात्रस्थर्या उत्रिः भुद्राद्याश्चरः द्रवार्या श्चीः वार्यरः वार्यरः वा वर्षायायमा दे नविवामिनेग्रायायस्य उर्गी हें हे दे श्रे रानदे प्रा क्षेत्राः सुनः मदे सक्षेत्राः नक्ष्वः मदे से दुः से नकुः महिराः मदे। ।।

येतु न इ न सुसाया

ने वर्षानर्डे अप्युव नने निर्माण गावा। धे भी राहें हे अर्के मापहें व थ्व ग्रीया। श्रवारादेव गुवादें हे उवा। क्रेंव या छे या श्रवा वर्षा न्यः कैंगाने हिन्यहिन प्राया। यर्केन ने में हे दे न हम्या यह गासुन्या। खे:र्सेदे:राट्याक्त्याक्त्याकेत्वाचात्रा खे:र्सेदे:तुट:ख्वाख्यात्री:यर्केवा भ्रेशमाधी केंशम्यश्री। देनेंदिन्धिश्विन्यम् उद्या म्यायम् थे ह्रेंगा: यट: द्रमा: देम यो: भेराविद्याः प्राप्त हैं प्रम्यायः इययःगुव्यस्या। रेंहे नह्याया नेया के मार्थिया है। न्ग्रेयायिम्न्रा अद्यामुयायोः वियार्षेन्यव्युम्ना र्हे हे से सेन यश्रियानर्श्वेयापदी। र्रे:हे:नज्ञयापदे:श्वेरानाधेया। यदयाक्यागुर ग्रीश मुन्त में वार्ष प्रत्याय स्वाय याशुर-५८-ध्रम्थ-ग्री-अर्क्स्या याश्रद-श्रम्थ-प्राह्मेश-ध-दे-देर-याशुर्या। लान्त्रेयाक्ष्यक्षः यात्रवः यात्रदः यात्रवः यात्र्यः भ्रुः याश्चरः श्रुयात्रः श्रुः हे । उद्या यद्यः मुर्भानुस्यायस्य मुद्दान्त्रस्य । दे हे स्वार्भात्रे राज्य स्यायस्य धेःवेशयह्रयायेदार्वेनावशुरान्। नर्देयायुन्यद्रयाश्चियानवदार्

বার্থকো

तेत्रअः भूवित्यः में हे त्यहेवा। व्यय्यायदः में हे प्येश्वयः या हितः भुत्तियः या स्वयः या

र्यायानाश्रर्यात्र्र्यायते सम्बुर्याया देशान्या मूर्याय दित्र स्वाया निवास मार्थे स्व लूच.सर्र.चर्रेय.यी टु.लट.लट.रेवा.तर.ह्वाय.यपु.सट्य.मेथ.ग्रीय.तया.मी.तर्वा.सू. ८८। वेगायप्टरकुर्थेवेर्भेवर्भेवर्भेवर्भेवर्भेवर्भेवर्भेद्राचि त्रुवा य ते द्राया वा सद व व दु साय हे द धिव हो। इ व वे क्रु द क्री सक्त व है द या व है हो ने वा य वे गवर व्यवस्थ कर वर्षे र वर्ष स्थर न सूव केरा कुर है। सालमा को सार्के विव हु है र नगद न। चरक्तःश्चनःपदेःषन्यादिःषेत्र। क्रुन्ग्रेःष्ठेःसदेःष्ठेःस्रात्युम। ग्रयःनःपन्सः यालेशानुते कुन्। डेशान्ता यात्रालेया र्वेया अन्य सेन्य स्थान्या वर्षा ८८:वेश.रव.षशः वृहःर्श्वेश:८८:इस:घर:वया। ग्रस्टःवदे:८वट:वश्चरःवहुवःवुग्रशःदेशःहेगः र्श्वे रायाम्म इराक्ष्यार्हे हे यहरावश्चरे यासमायक्याया। मरानेमा न्हें यासकामी वनराने परे क्षें या निरा नक्षेत्र परे कें गा हे नर क्षुन रा क्षुन पर हा। क्षुन पर केत्र में रा क्षेत्र से रा वर्गुर नवे श्रुव नवर में। इर कुव में हे वहर नक्षेत्रे ज्या ध्वा वर्ष वर्षे। यह विवा श्रुव नविवे र्हें हे निग ने सुन हो निया। से सूर वा स्रेंग्य स्रू केंग्य सर्के ग निर निया निया है स्रोते देव ग्रीश परिवास के रायस हैं वाशाया। ज्ञार क्ष्य हैं है प्यत्र रायक्ष है या हवा ख्रवा प्रवास वार विगास्ताग्रमायद्भायदे क्रुनायदे १३वायप्ता यद्वायस्त्रेनामा विष् त्रक्ता। यट.र्.वु.र्श्केयाश्चरत्रश्चित्रश्चित्रः वित्वत्तात्रः वित्वतात्राचित्रः सूर्याशः श्चीः क्वितात्राचित्र ने निवित क्रुयः यने नयः पदी। नश्चुनः ग्रः यने 'न्नः यदे 'श्चुनः पदे 'न्नः ये 'ते।। ग्रः कुनः हे 'हे : वर्तर नक्षेत्रे ता ह्वा ख्वा वर्षणा वार वीश वार्षे कें श्रुवाय में अर्बेर मेवा या प्रवाश वर्ष इवर्द्रास्त्रेराज्यादेशायरार्वेशायाद्या। द्रायराचेद्राचेद्राचेदार्वेषायाविषाज्याविषायद्वेषायाद्वा इरक्ष्यार्हे हे यहरावक्षादे याह्या ध्यापळाया वेशाहरा यह विदाह हे दायाय विदाहें दाळे नमा यदेवे नक्के दार्हे गमाया मुनानबिवे ह्या यर्चे राचे दारा दिया क्रमाय दिया वर्षे नाप रायदेवा यन्ता अर्क्केन्यानेन्यन्ता कुन्यदेवेत्ययार्स्स्यायवेत्स्यन्यस्येत्त्रन्ताः सुन्यायस् ने'म्रानमीर्था अर्बेर'नवया विर्याय वया इव्'रेर'नेम्'य'न्रा' ५५'रेर'क्ट्रुन्'ग्रे'र्बेम्य'म्रिम् र्डसाबियाप्पत्राक्षन् प्रहेंत्रामात्रस्य राजन्यामा जुराकुनार्हें हे हे हे प्रकरान्य प्रमानस्य वर्यास्त्रमात्व्यात्य्। वेर्यास्त्रम् स्वर्यास्त्रम् स्वर्यास्त्रम् स्वर्यास्त्रम् स्वर् उटा। टे.लट.ट्र.इ.५.५इम.५५५म। वेग.८टा रेग.यश्चा.मटमा क्रिंग.ट्ट. वेट.क्र्य. स्रेस्यान्यत्रित्। र्रे. हे. तकर वीया पहें या त्रस्या हरे ग्रीता परीया त्रास्त्र त्या स्रास्त्र त्या ग्नेग्रम्भः प्रम्यमः उत् ग्रीः सर्दे। विमः ग्रुः नः यः सँग्रमः पदिः क्षेत्राय ग्रीतः पर्मा देवेः कुः अळॅव : ५ : वर् अ : यदे : यया या या नहेव : यर : पळंट : कुः नदे : वर्य अदे : यर : ग्राह्य र अर्थे।

म्ही। याश्वर.कुर.याश्वर.य.कुश.याश्वर.या। मूट्र.अुट.सुट्र.खेट.कुर.मूर्। खुश.यक्र्यश. यावर.लट.उह्नश.ट्रेसज.मु.खेर.मु.खेर.जश.ग्रोट्रा श्वरश.मुश.ग्रीर.मु.खेर.सुट्र.

न्ययाम्बर्यायन्त्रायां वेषा ग्राचिते क्रुन्गी कुषार्थे केत्र्ये।

निरा नश्रुवःपदेःश्रुदःर्रोःगावयःश्रेःगावयःग्रद्धः १९८ प्पेर्यः सेर्ग्ये हेयः शुः हो ८ प्यरः गासुदयः है। देखेदायमा यदेद्वास्यम्यस्य होदाया यद्यो दुर्यस्य मुक्यस्य स्था ह्या नश्रृव पः रेव केव ग्रुरा। ग्रवश पर रच हुन अपि प्रमु र प्रवेश रेस पार दे कि प्रमा यरयाक्त्रियानसूत्रायानु।। गुत्राक्त्रीयास्यानुन्यस्यानुन्यस्यानुन्यस्यानुन्यस्यानुन्यस्यानुन्यस्य यायमाग्रमा न्ययाञ्च पन् भाषामामळेचा पावन सेना पहेचा हेव पासुस ग्री सेव छेव ग्रीमा श्वेर-र्ने त्यर ते श्वेर-र्ने सर्केण कुन् गुर्न क्रेन्ते न्नु स्वरे न्न्या नश्वर न्य त्या स्वरं पात्र र वा। हैंगशरवि रेशरवि ह्यावर्डे रहिना। वर्शरामार मेश शे केशया। रे प्रेशर्रे रामुन है क्ष्रूर त्युव। वे र्कें अवस्थ उर्ग्योर्डे र त्रे र रहेर । से क्षेश रव रेव सेव त्रे र या। सर्थ क्क् अ:रेव:ळेव:ब:अ:हेंग र्यय:य्व:यर्अ:य:ॲर्अ:श्रूर्य:वशा क्यःहेंग:र्:अर्य:यह्यार्य:यः धिया। र्क्रेन्यप्राप्त्रियाम् स्वाप्त्रप्ता स्वाप्त्रप्तात्तुः रहेनायाप्तात्त्रप्ता श्चेनाः श्चेनाः श्चेतिः रह यादमुरानानिमा वेशमासुरसाया र्भेनमासयायसाग्रमा सुरासेमावनगाना से सामा सर्ने से गुत्र की ज्ञास हैं ना हु कुरावरा कुर से प्रस्थ कर की है से दस्य सके ना धेतर पर ना सुरस वा कुरावरी ररानी क्रीरात्रा करा किराके पावरायमा ग्राम्यके वारात्र महानामा विषया गी'कुर'गिहेस'ग'यस्। कुर'ग्री'सघर'बुग'यर्स्'रा'स्रे| स'बुर'यबुर'चर'से'प्युर'र्रे॥ बेस' ग्रुट्याया र्रेनिन्देव केव में विवा में र्रेनिन्य ग्रामा दिन्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त रेसप्यानिक्रामिते रें ने न्या पृत्रा पृत्राप्य वित्राप्य प्रमाणित रें त्या कुत्र इसस्य मात्र से त्या है जे लुया। बुराचाश्रीरश्रास्त्रा। स्रावसःग्रीयः वस्त्राः व्रटीः स्रियः भिरः मिरः स्रीयसः নুব'শ্রী'বার্বি-'মঘর'অম'ব'বাইবা'অমা বামন'ব'বের্ম'ব'মর্নি ক্রুব'ঘমম'ডব্'শ্রী'মর্ক্রিবা'

दर्ने धे वसायासामहेत् परास्टेवा वी द्रिया वा नाया वस्ता विषय स्वाप्त विषय स्वाप्त विषय स्वाप्त विषय स्वाप्त व यःगिहेशःगाःयःवदेःसर्हेगःहःशुरःनरःगिशुरशःमवेःद्धयः इस्रशःय। हिगः दस्रयः प्येतः परःदेशः यःह्रेद्रायतेःह्वें त्रशायश्रायदे त्याद्रद्रायात्रह्ताः सें ह्वे प्रायाते। कें त्यदे राश्राद्यापायते त्युशायदे ह्यदश व्यायळव्रान्धेयानकुव्रायदे सुर्भुः श्रुवायदे रहेषा दे। न्यया स्वायत्र्यायदे कुन्तु केया कुरायरा निक्रमा वसवासारा सुरुक्षुतायन स्रसारी स्रह्मा वीसावासय नर से ना यह द्वारा है स अहेश'पर चुरापते देव'यर विरात्त किताते किता है। कुत से पावत पर पर हे से राही राज से पर से पर से पर से पर से पर स मुर्यासराम्बन्। ग्राम् यान्वासदे खुर्यादने श्वर्यात्या के विनेत्रायक्ष्यान्ये यान्यम् वास्ते । षे ने या ग्री सु सु न रहं वा ने न ए से मायवा ने टासे मुया प्राप्त सु टामानन वा नहे न न या ने न ए हैं ना या <u> न्याय निर्देशक वा वा व्यव्यक्तें न्याये देश पा क्रेन्निया है। ने क्रेन्य के न्याय व्यव्यक्त वर्ष सामाश्री स</u> यसत्ते प्रशासकेंग्। मृत्यूरायासे दाया से से दाये दि । यस से द्वारा र्ना श्री अर्के ना प्रा वा वेशमाशुर्यासम्भरःर्रे॥॥

न्यरः जुरः र्र्वेतः केंग

चन्ना मृत्र प्रदेश क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र प्रति । विष्य प्रति विषय प्रति प्रति । विषय प्रति विषय प्रति । विषय । विषय

धेगार्ते र-५८-ळ५-भूगार्थे ५-ळे प्रचेषानाग्रव्य द्वापार श्रुवे १८८-द्वापान्य विष्

ង្ហាត្រាត្ត marjamson618@gmail.com